RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः 135 , रविवार, 28 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

कायस्थ शक्ति मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने चक्रपाणि महाराज व सेवक संजय नाथ से ... 03

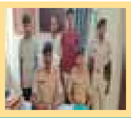
हरसिद्धि में तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार, राजस्थान में लॉ की पढ़ाई कर रहा था एक 04

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने गाने हुआ से किया सिंगिंग डेब्यू, जुबिन... 07

ड्रोन के जरिए ड्रग्स सप्लाई में 100 गुना उछाल

पंजाब में सबसे ज्यादा मामले,एनसीबी की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ड्रग तस्करी के खिलाफ जंग अब आसमान तक पहुंच गया है। पिछले 5 सालों में ड्रोन से तस्करी की घटनाओं में 100 गुना बढ़ोतरी हुई है। सुरक्षा एजेंसियों के सामने यह एक बेहद आधुनिक और तकनीकी रूप से मजबूत चुनौती बनकर उभरा है। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जारी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के 2025 के सालाना आंकड़ों के मुताबिक, ड्रोन से जुड़े रिकॉर्ड 305 मामले सामने आए, जिनमें 468 किलोग्राम नशीले पदार्थ बरामद किए गए। ड्रग तस्करी के 305 घटनाओं में से 298 अकेले पंजाब में हुईं यानी देश में ड्रोन से ड्रग तस्करी का सबसे बड़ा केंद्र पंजाब बन गया है, यहां भारत-पाकिस्तान सीमा के रास्ते बड़े पैमाने पर हाई-प्यूरिटी हेरोइन और मेथमफेटामाइन (मेथ) जैसी खतरनाक ड्रग्स भारत भेजी जा रही हैं।

ड्रग तस्करी के मामले में 100 गुना बढ़ोत्तरी

ड्रोन से ड्रग तस्करी के मामले में 98 फीसदी की भारी बढ़ोतरी और 2021 (जब सिर्फ तीन मामले दर्ज किए गए थे) के बाद से ड्रोन घटनाओं में 100 गुना बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, 2021 और 2025 के बीच फार्मास्युटिकल दवाओं के गलत इस्तेमाल (डायवर्जन) में कुल मिलाकर 77 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सालाना जब्ती की मात्रा 2,43,111 किलोग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद थोड़ी कम होकर 2,37,390 किलोग्राम पर आ गई। पंजाब में नशीले पदार्थों के सेवन की नई लहर देखने को मिल रही है। यहां सबसे ज्यादा 8.95 लाख कोडीन वाली कफ सिरप की बोतलें पकड़ी गईं। इसके अलावा ब्यूप्रेनॉर्फिन, ट्रामाडोल और अल्प्राजोलम जैसी दवाओं की अवैध सप्लाई भी बड़े स्तर पर हो रही है।

कूरियर और डाक से भी हो रही तस्करी

हवाई रास्तों पर निगरानी तो बढ़ा दी गई है, लेकिन कूरियर और डाक से होने वाली तस्करी अब भी बड़ी समस्या है। मामलों की संख्या 174 पर स्थिर होने के बावजूद, पोस्टल चैनलों के जरिए जब्त किए गए नशीले पदार्थों की मात्रा 972 किलोग्राम थी। एनसीबी की रिपोर्ट में गुप्त सिंथेटिक ड्रग प्रयोगशालाओं के बढ़ने का भी जिक्र है। जांच एजेंसी ने पिछले तीन वर्षों के आकड़ों से भी अधिक 30 गुप्त निर्माण प्रयोगशालाओं को नष्ट किया और 102 लोगों को गिरफ्तार किया। आंकड़ों से पता चलता है कि महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या में मौजूद इन ठिकानों पर एफेड्रिन ड्रग मिलता है।

फिर पेपर लीक,एक और परीक्षा रद्द

- महाराष्ट्र में एग्जाम से एक दिन पहले लीक हुआ टीईटी का पेपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 28 जून, 2026 को विभिन्न एग्जाम सेंटर में टीईटी की परीक्षा आयोजित कराई जानी थी। लेकिन अब खबर सामने आ रही है कि परीक्षा से एक दिन पहले ही महाराष्ट्र में टीईटी का पेपर लीक हो गया है। तमाम मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो परीक्षा से महज 24 घंटे पहले ही पेपर ठाणे से लीक हो गया है। पेपर लीक मामले के बाद शिक्षा

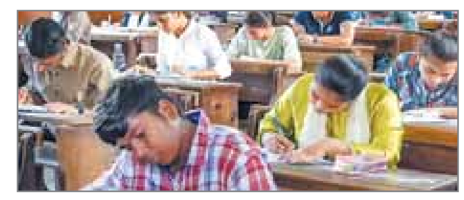

विभाग ने शिक्षक पात्रता परीक्षा को अब रद्द कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक की जानकारी पुलिस को मिली थी। जिसके बाद ठाणे में चलाए गए एक अभियान के बाद पुलिस ने पेपर को बरामद किया। साथ ही इस मामले में कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है।

शिक्षा विभाग ने रद्द की परीक्षा- महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा रद्द होने के बाद शित्रा विभाग ने परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया है।

पीएम मोदी ने सेशेल्स में कछुओं को पत्तियां खिलाईं

256 साल पहले 5 भारतीय रहने पहुंचे थे, अब हर 8वां नागरिक भारतवंशी

विक्टोरिया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने नेशनल बोटैनिकल गार्डन में एल्डाब्रा जाइंट कछुओं को पत्तियां खिलाईं। मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे।हिंद महासागर में बसे इस छोटे से द्वीपीय देश का भारत से रिश्ता सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि 256 साल पुराना भी है। साल 1770 में जब यहां पहली स्थायी बस्ती बसाई गई, तब वहां पहुंचने वाले 27 लोगों में 5 भारतीय भी शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर किया हमला

- ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा,

इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर ड्रोन हमला किया था। दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है।

बिहार में मुद्दों पर भारी पड़ रही जातीय गोलबंदी !

- पीएमसीएच विवाद से लेकर एनकाउंटर तक खेला

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति इन दिनों जातीय संकीर्णता की भेंट चढ़ते दिख रही है। प्रतिकितिवादी तत्व जातीय आवरण में हर मामलों को उलझा कर लोकतंत्र के असल मकसद को दूर दूर तक नहीं समझ पा रहे हैं। स्थिति यह है कि घटना कुछ भी हो जातीय आवरण में विरोध को महज विरोध का औजार बनाते जा रहे हैं। जातीय राजनीति में कैसे उलझ रहा है बिहार, समझते हैं। बिहार के पटना मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रभारी प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह को हटाए जाने के

मामले पर भी जातीय रंग चढ़ाया जाना शुरू हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की ओर से की गई प्रशासनिक कार्रवाई को एक तरफ डॉ. सिंह तानाशाही और साजिश करार देते हुए अपने जले हुए पेट दिखा रहे हैं। वे मंत्री बौर सचिव पर फोन नहीं उठाने की बात भी कह रहे हैं। वहीं दूसरी और सोशल मीडिया पर राज्य में जातीय समीकरण और सवाल उठाए जा रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में इस कार्रवाई को लेकर एक वर्ग की ओर से इसे एक खास जाति के अधिकारी को निशाना बनाने के रूप में प्रचारित किया जाने लगा है। हॉस्पिटल के मालिक डॉ. सतीश सिंह की चर्चा शुरू हो गई है।

गाजा में बच्चों को खत्म करने की हो रही कोशिश

- सोनिया बोलीं-भारत अकेला देश जिसने चुप्पी साधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने गाजा के मामले में नरेन्द्र मोदी सरकार की निरंतर चुप्पी पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि भारत को फलस्तीनियों के समर्थन में स्पष्ट और मुखर रुख अपनाना चाहिए

तथा गाजा और वेस्ट बैंक में हो रही घटनाओं पर वैश्विक जनमत के अनुरूप प्रतिक्रिया देनी चाहिए। सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी दैनिक के लिये लिखे लेख में संयुक्त राष्ट्र की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि गाजा में बच्चों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और वहां की मानवीय स्थिति बेहद भयावह हो चुकी है। **हजारों बच्चों की मौत चिंता का विषय-** उन्होंने कहा कि हजारों बच्चों की मौत और तबाही का शिकार हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग जांच कर रहा।

साधु-संत सजा भुगत रहे, कोई दान नहीं दे रहा

- रामदास बाल योगी बोले-चढ़ावा चोरी का असर पूरी अयोध्या पर

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी की घटना से यहां के साधु-संत नाराज हैं। उनका कहना है कि इस घटना से उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। अयोध्या के संत रामदास बाल योगी महाराज ने कहा है कि चढ़ावे की चोरी का असर पूरी अयोध्या पर है। राम मंदिर ही नहीं, अयोध्या के बाकी के मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है और दान में भी कमी आई है। अयोध्या के रामदास बाल योगी महाराज ने कहा कि, श्रद्धालु नाराज हैं, श्रद्धालुओं में कमी आई है, चढ़ोत्तरी में भी कमी आई है और पूरे क्षेत्र में इसका असर है। राम मंदिर में कोई आता था तो हम लोगों के मंदिर में भी आता था। हम तो मां सरयू के तट पर हैं, तो तमाम श्रद्धालु शाम को आरती में आते हैं। अब लेकिन कमी आई है। जब चोरी करेंगे तो कैसे आपको दान मिलेगा? पूरी अयोध्या सजा भुगत रही है। और देखिएगा, भगवान राम इन चोरों को कभी माफ नहीं करेंगे। जिन्होंने चोरी की है उनको सजा प्रशासन से जो मिलनी होगी मिलेगी।

- **चंपत राय ने चोरी की बात स्वीकर नहीं की थी-** रामदास बाल योगी महाराज ने राम मंदिर में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा कि, अखिलेश यादव ने जब इस मामले को सोशल मीडिया पर उजागर किया तो सबको इसकी जानकारी मिली। उसके तत्काल बाद चंपत राय जी ने कहा कि गिनती सही है, यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, भ्रम फैलाया जा रहा है। वे इसको स्वीकार करने से इनकार रहे थे। उन्होंने कहा कि, राम मंदिर जब बन रहा था तो चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल राव और सभी पदाधिकारियों ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं और आरएसएस के लोगों के साथ मिलकर सोशल मीडिया पर प्रचार किया। मंदिर बना और उसका श्रेय भी उन्होंने लिया। प्रतिष्ठा मोदी जी, योगी जी ने कराई। तो आज चोरी की जिम्मेदारी कोई और लेगा। चोरी यदि हुई है तो क्या यह 10, 20 हजार, 50 हजार के वेतनभोगी कर्मचारियों ने की है। इनकी इतनी हैसियत है। उन्होंने कहा कि, इसके पूर्व में भी जमीनों के घोटाले तगड़े हुए।

90 फीसदी थ्रस्ट टेस्ट सफल अब इंजन टेस्ट की आई बारी

- गगनयान मिशन पर खुशखबरी! इसरो चीफ ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारियां अब निर्णायक चरण में पहुंच गई हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि मिशन से जुड़े कई अहम परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं और अब एजेंसी इंजन टेस्ट की तैयारी में जुटी है। उन्होंने संकेत दिया कि पहली मानवरहित उड़ान की तारीख का ऐलान भी जल्द किया जाएगा। वी. नारायणन ने बताया कि हाल ही में एक महत्वपूर्ण परीक्षण किया गया, जिसमें थ्रस्ट चेंबर को छोड़कर करीब 90 प्रतिशत थ्रस्ट लोड हासिल किया गया। उन्होंने इसे बड़ी उपलब्धि और महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि अब अगला कदम इंजन टेस्ट है, जिसकी तैयारियां तेजी से चल रही हैं।

- **मानव मिशन से पहले होगी ह्यूमन रेटिंग-** इसरो प्रमुख ने कहा कि गगनयान एक अत्यंत तकनीक आधारित मिशन है, इसलिए इसमें इस्तेमाल होने वाले लॉन्च व्हीकल को ह्यूमन रेटिंग प्रक्रिया से गुजरना होगा। इस प्रक्रिया के जरिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित तरीके से अंतरिक्ष में भेजा और वापस लाया जा सके।
- **तीन मानवरहित मिशनों के बाद जाएगी मानव उड़ान-** उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविक अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले इसरो तीन मानवरहित मिशन संचालित करेगा। फिलहाल एजेंसी पहले मानवरहित मिशन की दिशा में तेजी से काम कर रही है। वी. नारायणन ने कहा कि इन मिशनों की तारीखों की जानकारी जल्द देंगे।

- 6,785 करोड़ का होगा निवेश,बोले-जंगलराज अब मंगलराज बना

सीएम योगी ने जेवर में रखी इलेक्ट्रॉनिक्स हब की नींव

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर कहा कि जेवर क्षेत्र अब उत्तर भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर हब बनने जा रहा है। एक समय जंगलराज के लिए कुख्यात जेवर आज मंगलराज के रूप में उभर रहा है। सेक्टर 10 में अंबर इंटरप्राइजेज और एस्केंट सर्किट की इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत सेमीकंडक्टर का केंद्र बिंदु जेवर क्षेत्र बन रहा है। यहां इलेक्ट्रॉनिक हब स्थापित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, कभी जंगलराज के नाम से जाना जाने वाला जेवर आज मंगलराज के रूप में पहचाना जा रहा है।

- **गौतमबुद्ध नगर देश का मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब-** योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब हम वो चीजें खुद बनाएंगे जो पहले दुनिया से आयात करते थे और उन्हें निर्यात भी करेंगे। उत्तर प्रदेश में 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक उपलब्ध है। सरकार निवेशकों को इंसेंटिव और सिंगल विंडो सिस्टम की सुविधा दे रही है। गौतमबुद्ध नगर देश का मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब बन चुका है, जहां देश में बने कुल मोबाइल फोन का 55 प्रतिशत उत्पादन होता है। केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों को पीसीबी (प्रिंटेड सर्किट बोर्ड) के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने 14 लेयर और 55 लेयर वाले पीसीबी सर्किट दिखाकर बताया कि जेवर में यही बनाया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में महिला कामगार हैं अधिक

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि आज यूपी को उत्तम प्रदेश के रूप में देखा जा रहा है। प्रदेश औद्योगिक निवेश और विश्वास का केंद्र बनकर उभरा है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में महिलाएं 50 प्रतिशत से अधिक कामगार हैं। नए सेमीकंडक्टर उद्योग युवाओं को बेहतर अवसर देंगे। समारोह में यह भी कहा गया कि जेवर एयरपोर्ट पर कॉमर्शियल उड़ानें शुरू हो चुकी हैं और यहां निरंतर निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी मौजूद रहे। यह निवेश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बता दें कि असेंट के सर्किट की परि योजना में सब्सट्रेट्स का निर्माण होगा।

पुणे मर्डर में दावा-केतन का सिर कुचला हुआ था

- तलाश में जुटी रेस्क्यू टीम का सदस्य बोला-लोग रो रहे थे
- टीम के सामने सिया शांत रही, माता-पिता से पूछताछ जारी

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया दावा सामने आया है। केतन का शव रेस्क्यू करने वाले सुनील गायकवाड़ ने बताया है कि केतन के सिर पर गंभीर चोटें थीं, खोपड़ी कुचली हुई थी और हाथ-पैरों पर भी कई जगह चोट थीं। अन्य लोग रो रहे थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन सिया गोयल शांत खड़ी थी। सुनील ने कहा- शव को जंगल के रास्ते बाहर लाया गया। पुलिस को 18 जून की सुबह करीब 10.30 बजे घटना की सूचना मिली थी। बचाव अभियान दोपहर 12.30 बजे तक चला और करीब 1.30 बजे शव एंबुलेंस में पहुंचाया गया था। इधर, पुणे पुलिस ने शुक्रवार को 10 घंटे तक सिया के भाई साहिल गोयल से करीब 10 घंटे पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, साहिल चेतन चौधरी को जानता है। उसने बताया कि चेतन और सिया की दोस्ती क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी। वहीं, आज सिया के माता-पिता को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

बुआ सिया को ले गई, तभी परिवार का शक गहराया- केतन की बहन ने सिया से पूछा कि वह कहां बैठी थी, केतन कैसे गिरा और वह किले के उस किनारे तक कैसे पहुंचा। सिया ने किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। उसका रोना भी परिवार को बनावटी लगा। अगले दिन जब वह उनके घर आई, तब भी परिवार ने पूछा कि केतन का कौन सा पैर फिसला था, लेकिन वह चुप रही। सवाल-जवाब के दौरान शादी तय कराने वाली सिया की बुआ उसे तू चल-चल कहकर वहां से ले गई। इसके बाद परिवार का शक और गहरा हो गया। विशाल अग्रवाल ने बताया कि उसी शाम परिवार ने बैठकर पूरी घटना पर चर्चा की। उनकी बेटी ने कहा कि कुछ ठीक नहीं लग रहा। परिवार ने पूरी घटना को जोड़कर देखा और सोसायटी के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में दिखा कि लौटते समय सिया रो भी नहीं रही थी। शक बढ़ने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। विशाल अग्रवाल ने कहा कि केतन को सिया के अफेयर की

जानकारी नहीं थी। हालांकि, उसे कई बार सिया का फोन लगातार बिजी मिलने पर शक हुआ था।

उसने परिवार से पूछा भी था कि क्या सिया के बारे में पूरी जानकारी ली गई है परिवार ने उसे भरोसा दिलाया कि रिश्तेदारों ने पूरी पड़ताल की है। इसके बाद उसने दोबारा इस बारे में बात नहीं की।

केतन के पिता बोले- घटना वाले दिन ही सिया पर शक हुआ

केतन के पिता विशाल अग्रवाल के मुताबिक, घटना वाले दिन ही परिवार को सिया गोयल पर शक हो गया था। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मी ने जब कहा कि केतन अभी जिंदा है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए, तब सिया के हावभाव बदल गए थे। इसके बाद सिया ने परिवार के सवालों का भी जवाब नहीं दिया। चेतन के पिता ने बताया कि 18 जून को सिया की मां का फोन आया था कि केतन लोहगढ़ किले से गिर गया है। परिवार मौके पर पहुंचा तो केतन को खाई से निकाला जा चुका था। उन्होंने देखा कि केतन का मुंह बंधा हुआ था। चेहरा खुलवाकर उसकी पहचान की गई। दरअसल, सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हुई थी। सिया पर बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी के साथ मंगेतर की हत्या का आरोप है। दोनों पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में महिला की मौत, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए सबूत, 3 साल पहले हुई थी शादी

हाजीपुर। वैशाली जिले के करतहा थाना क्षेत्र के घटारो गांव में एक 23 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान सिया सुंदर देवी के रूप में हुई है। वह काजीपुर थाना क्षेत्र के कुतुबपुर कोठी गांव निवासी शंभू पासवान की पुत्री थीं। उनकी शादी तीन साल पहले महेश पासवान के पुत्र आकाश कुमार से हुई थी। मृतका की एक छह महीने की बेटी भी है। वह अपने सात बहनों और एक भाई में सबसे छोटी थीं। सदर एसडीपीओ 02 गोपाल मंडल ने बताया कि महेश पासवान की पुत्रवधू की संदिग्ध हालत में मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंची और घटना स्थल से नमूने एकत्र किए। एसडीपीओ मंडल ने आगे बताया कि परिवार के सदस्यों द्वारा अभी तक कोई बयान या आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि महिला के शव के बाहरी हिस्सों पर किसी प्रकार के जख्म के निशान नहीं मिले हैं।

लूटपाट का विरोध करने पर मजदूर को गोली मारी, टोटो यात्रियों से मोबाइल छीने

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे अपराधियों ने लूटपाट और फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। बहुआरा हरप्रसाद मुख्य मार्ग पर बकाढ गांव के पास दो बाइक पर सवार चार अज्ञात अपराधियों ने एक टोटो को रोका और यात्रियों से मोबाइल फोन छीन लिए। विरोध करने पर अपराधियों ने गोली चला दी, जिससे एक मजदूर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, टोटो चालक सुबोध सहनी यात्रियों को लेकर मालपुर गांव की ओर जा रहा था। तभी पीछे से आए अपराधियों ने हथियार के बल पर वाहन को रोक लिया। अपराधियों ने यात्रियों और चालक से तीन से चार मोबाइल फोन लूटे। इसी दौरान, पीछे से मिक्सर मशीन पर सवार होकर आ रहे करीब 10 से 12 मजदूरों को देखकर अपराधियों को लगा कि वे विरोध कर सकते हैं। इसी आशंका में उन्होंने फायरिंग कर दी। इस घटना में पटना जिले के गोसाईं टोला निवासी प्रमोद पासवान (25) नामक एक मजदूर को जांघ में गोली लगी। बताया गया कि घायल प्रमोद तीन दिन पहले ही अपने बहनोई के घर आया था। घायल को पहले पातेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए हाजीपुर रेफर कर दिया। हाजीपुर सदर अस्पताल से भी उसे गंभीर हालत में पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पातेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाल रही है। पुलिस ने बताया है कि घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। इस वारदात को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता है।

मकई के खेत से मिला राजमिस्त्री का शव, बेटा बोला- पिता की हत्या हुई,लोगों के साथ पूजा देखने गए थे

हाजीपुर। वैशाली के पटेढ़ी बेलसर प्रखंड अंतर्गत शंकर बिंदवारा गांव के समीप एक मकई के खेत से युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान वीरेंद्र पासवान के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलने पर बेलसर थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान की पुष्टि की। इसके बाद घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया

और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की गई। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं ताकि युवक की मौत की परिस्थितियों का पता चल सके। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो पाएगा। घटना की सूचना पर लालगंज सदर 2 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) गोपाल मंडल भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने जांच का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को गहन जांच के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक के पुत्र संजीव कुमार ने बताया कि उनके पिता राजमिस्त्री का काम करते थे। उन्होंने बताया कि उनके पिता कल गांव के लोगों के साथ पूजा देखने घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। संजीव कुमार के अनुसार, उन्हें आज सूचना मिली कि एक व्यक्ति की हत्या कर मकई के खेत में शव फेंक दिया गया है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने अपने पिता के शव की पहचान की। संजीव ने आरोप लगाया कि किसी ने उनके पिता की हत्या कर शव को मकई के खेत में फेंका है। फिलहाल, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या, मुहर्रम जुलूस देखने निकला था

हाजीपुर। हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत चाणक्य कॉलोनी पच्चीसकुरवा में मोबाइल चोरी के आरोप में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहीमापुर निवासी बिशनदेव पासवान के 31 वर्षीय पुत्र संतोष पासवान के रूप में हुई है। संतोष पासवान शुक्रवार रात करीब 8:00 बजे परिवार के साथ मोहर्रम का जुलूस और मेला देखने निकले थे। उन्होंने परिवार को घर भेज दिया और खुद जढुआ करबला मेला देखने की बात कहकर गए थे। शनिवार सुबह संतोष का शव मिलने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। संतोष पासवान ताड़ के पेड़ से ताड़ी उतारकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। वह तीन भाइयों में से एक थे; उनके एक भाई की एक साल पहले हैदराबाद में सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी है। संतोष की मौत के बाद परिवार के सामने भरण-पोषण का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी शुभांक मिश्रा और औद्योगिक क्षेत्र थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। एसपी शुभांक मिश्रा ने बताया कि 25 जून की रात को औद्योगिक थाना क्षेत्र के पच्चीसकुरवा गांव में हत्या की यह घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संतोष पासवान की मोबाइल चोरी के आरोप में हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मामले में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

भतीजे ने की चाचा की हत्या, केला काटने को लेकर हुआ विवाद

हाजीपुर। हाजीपुर में भूमि विवाद को लेकर भतीजे ने अपने परिवार के साथ मिलकर चाचा, चाची और चचेरे भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में चाचा की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि चाची और चचेरे भाई का इलाज चल रहा है। घटना सदर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर की है। मृतक की पहचान स्थानीय स्वर्गीय लगन राम के बेटे आमोद राम(50) के रूप में हुई है। उनकी पत्नी 50 वर्षीय इंदु देवी और 28 वर्षीय बेटे विकास कुमार घायल हुए हैं। यह घटना शुक्रवार रात की है। चंदन राम और आमोद राम के बीच पुराने भूमि विवाद को लेकर कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर चंदन राम ने अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर आमोद राम, उनकी पत्नी इंदु देवी और बेटे विकास कुमार पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद आमोद राम को मृत घोषित कर दिया। उनकी पत्नी इंदु देवी को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने बिना पोस्टमॉर्टम कराए शव को गांव ले जाकर सड़क जाम कर दिया।

बेली रोड पर डायवर्जन नहीं होगा, मानसून के चलते लिया गया फैसला

मेट्रो निर्माण के कारण एक लेन बंद करने का फैसला टला

एजेंसी, पटना

बेली रोड पर मेट्रो के कारण आज से गाड़ियों की आवाजाही पर लगने वाली रोक अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है। आज से बेली रोड के एक लेन को बंद किया जाना था। मगर बरसात के कारण ये फैसला स्थगित कर दिया गया है। मेट्रो के पुराने जितने भी प्रोजेक्ट हैं, जहां निर्माण कार्य को अंतिम रूप दिया जाना है सबसे पहले उसे पूरा किया जाएगा। इसके बाद बेली रोड पर अंडरग्राउंड निर्माण कार्य होगा और उसी अनुसार यातायात में बदलाव किया जाएगा।

जिन इलाकों में मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है, वह जारी रहेगाः ट्रैफिक प्रशासन के मुताबिक बेली रोड पर अभी जिन इलाकों में मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है, वह जारी रहेगा। मगर वाहनों का परिचालन बाधित नहीं रहेगा। अभी बेली रोड पर इनकम टैक्स गोलंबर से चिड़ियाखाना 5 जगहों पर भूमिगत काम चल रहा है। इसके लिए घेराबंदी भी कर दी गई है, लेकिन दोनों लेन में वाहनों का परिचालन जारी है। एक लेन बंद होने के बाद शहर की पांच सड़कों पर वाहनों का दबाव अधिक हो जाता। ऐसे में मानसून में लोगों को दिक्कत हो सकती थी।

बेली रोड पर करीब 3 साल तक गाड़ियां नहीं चलतीः चिड़ियाघर के गेट नंबर 1 से इनकम टैक्स गोलंबर तक तीन साल तक ऑटो, ई-रिक्शा और बसों के परिचालन पर रोक लगने वाली थी। पहले फेज में चिड़ियाघर के गेट नंबर एक से विकास भवन तक रोक रहती। फिर दो-तीन महीने बाद दूसरे फेज में विकास भवन से इनकम टैक्स गोलंबर तक रोक बढ़ाई जाती। इससे पहले 21 और 22 जून को ही ट्रायल होना था, लेकिन नीट परीक्षा की वजह से इसे टाल दिया गया था। इस मार्ग पर बड़ी संख्या में परीक्षा केंद्र स्थित थे।

पटेल भवन से विकास भवन तक 'वन वे' रहताः इस दौरान निजी गाड़ियों के लिए पटेल भवन से विकास भवन तक 'वन वे' रहता। पैसेंजर वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए जाते। इस मार्ग से रोजाना करीब 1.50 लाख से 2 लाख गाड़ियां गुजरती हैं, जिनमें करीब 5 हजार से अधिक ऑटो, 1 हजार ई-रिक्शा और 60 से अधिक बसें शामिल हैं। यहां सुबह 9 से 11:30 बजे और शाम 5:30 से रात 8:30 बजे के बीच सबसे ज्यादा ट्रैफिक रहता है।

6 जिलों में तेज बारिश, मुजफ्फरपुर में 1 घंटे की बारिश में जलजमाव

एजेंसी, पटना

भीषण गर्मी के बीच बिहार के 6 जिलों का मौसम बदल गया है। खगड़िया, बेगूसराय, बांका में तेज बारिश हो रही है। वहीं, नालंदा, मुजफ्फरपुर, बेतिया, मधुबनी में भी बारिश के बाद गर्मी से राहत मिली। इन शहरों में पहले बादल छाए, तेज हवा चली फिर बारिश शुरू हो गई। मुजफ्फरपुर में 1 घंटे की बारिश से कई जगह पानी जमा हो गया है। वहीं, राजधानी पटना तेज धूप और उमस भरी गर्मी की चपेट में हैं।

मौसम विभाग ने आज 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 60kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। अगले दो-तीन दिनों में पूरे राज्य में मानसून एक्टिव हो जाएगा। पिछले 24 घंटे में सीतामढ़ी, बगहा, समस्तीपुर, सीवान, गोपालगंज, भागलपुर और पटना के कुछ इलाकों में बारिश हुई। वहीं, 42.2 डिग्री के साथ कैमूर सबसे गर्म जिला रहा।

3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरेगा अधिकतम तापमानः मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, मानसून एक्टिव होने से तेज बारिश होगी, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। 29 जून तक अधिकतम

अगले 24 घंटे में एक्टिव होगा मानसून

तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। जून के अंत तक मानसून का प्रभाव पूरे बिहार में बढ़ेगा और अधिकांश जिलों में अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है।

इन जिलों में मानसून का रहेगा सबसे ज्यादा असरः मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, सीमांचल, कोसी और पूर्वी बिहार के जिलों में मानसून का प्रभाव सबसे अधिक देखने को मिलेगा। इसके अलावा उत्तर बिहार के कई हिस्सों में भी मध्यम से तेज बारिश की संभावना है।

राबड़ी देवी ने सरकार से मांगी समानों की लिस्ट

एजेंसी, पटना

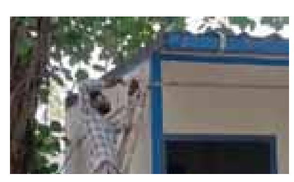

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सहायक ने भवन निर्माण विभाग को लेटर लिखा है। लेटर के जरिए उन्होंने 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास का चार्ज रजिस्टर और विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए सभी सामानों की लिस्ट मांगी है। पत्र में कहा गया है कि आवास खाली करते समय सरकारी सामानों का सही मिलान हो सके और किसी तरह का विवाद या भ्रम की स्थिति न बने। इसलिए विभाग सामानों की पूरी लिस्ट दें। जानकारी के अनुसार, राबड़ी देवी की ओर से यह सूची इसलिए मांगी गई है ताकि भविष्य में उन पर यह आरोप न लगे कि आवास खाली करते समय सरकारी सामान भी अपने साथ ले जाया गया। 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास को खाली करने के लिए राबड़ी देवी को चौथा नोटिस भेजा गया है। इस नोटिस के जरिए राबड़ी परिवार को 29 जून तक का अल्टीमेटम दिया गया है। लेटर में यह भी कहा गया है कि 39, हार्डिंग रोड स्थित नए सरकारी आवास में निर्माण कार्य पूरा होने की आधिकारिक सूचना अब तक प्राप्त नहीं हुई है। इसके बावजूद विभाग को सूचित किया गया है कि 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास जल्द खाली कर दिया जाएगा। 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास 29 जून तक खाली किया जाना है। इसी कारण शिफ्टिंग की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। शुक्रवार को आवास के अंदर और बाहर लगे CCTV कैमरे हटा दिए गए। वहीं, सामान पैक करने का काम भी लगातार जारी है।

खान सर की जमानत पर 30 जून होगी सुनवाई

एजेंसी, पटना

पटना सिविल कोर्ट में आज कोचिंग विवाद मामले में फैजल खान उर्फ खान सर की एंटीसिपेटरी बेल याचिका पर सुनवाई हुई। कदमकुआं थाने की पुलिस की ओर से अपडेटेड केस डायरी सबमिट कर दी गई है। अब मामले पर अगली सुनवाई 30 जून को होगी। खान पक्ष की ओर से कहा गया कि लगातार टाइम एक्सटेंड हो रहा है। इस पर आज ही बहस होनी चाहिए, लेकिन लोक अभियोजक और रौशन आनंद पक्ष की ओर से इसका विरोध किया गया और डायरी पढ़ने के लिए समय मांगा गया। इस पर कोर्ट ने अपडेट केस डायरी को पढ़ने के लिए 3 दिन का समय दिया है। अब 30 जून तक फैजल खान उर्फ खान सर का इंटीरिम प्रोटेक्शन बरकरार रहेगा। खान पक्ष के वकील अरविंद कुमार मौआर ने बताया, "फाइनल हियरिंग मंगलवार के दिन होगी। खान सर सहित उनके पक्ष के जितने लोग हैं, उनके 'नो कोर्सिव' को मंगलवार तक एक्सटेंड कर दिया

गया है।" खान के दोनों बॉडीगार्ड जेल में हैं। इनकी भी रेगुलर बेल याचिका पर सुनवाई 30 जून को ही होगी। कोर्ट ने सभी मामलों को एक साथ टैग कर दिया है। पिछली सुनवाई में पुलिस की ओर से अधूरी केस डायरी सबमिट की गई, जिसके चलते कोर्ट ने अपडेट केस डायरी की मांग की थी। पुलिस की ओर से जो केस डायरी हाल ही में सबमिट की गई है, उसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि गोली सेल्फ डिफेंस में नहीं चलाई गई थी। दहशत फैलाने के इरादे से खान सर के कहने पर दोनों गार्डों ने फायरिंग की थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि पुलिस नए अपडेट केस डायरी आज जमा करेगी, उसमें और कौन सी कड़ी जोड़ी गई है। साथ ही इस पर कोर्ट का क्या रुख होता है।

इससे पहले शनिवार, 20 जून को सुनवाई के दौरान अदालत ने निर्देश दिया कि मामले में अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई कठोर या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। इस आदेश के बाद फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक बनी हुई है। अदालत ने खान सर से जुड़े स्टाफ के तीन अन्य सदस्यों को भी अंतरिम संरक्षण दिया था और निर्देश दिया कि

पटना सिविल कोर्ट ने अपडेट केस डायरी पढ़ने का समय दिया, खान सर की बढ़ सकती है मुश्किलें

अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ भी कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। सुनवाई के दौरान पटना पुलिस ने अदालत में केस डायरी प्रस्तुत की थी। रिकॉर्ड और दस्तावेजों के अवलोकन के बाद अदालत ने अंतरिम सुरक्षा जारी रखने का फैसला लिया। मामले की अगली सुनवाई 25 जून यानी आज तय की गई थी। कोर्ट ने 25 जून कको सुनवाई के दौरान केस डायरी को अधूरा पाया और पुलिस से दोबारा अपडेटेड केस डायरी सबमिट करने को कहा था। खान सर के वकील अरविंद कुमार मौर्य के मुताबिक, अदालत ने फिलहाल गिरफ्तारी से संरक्षण दिया है और अब अपडेट केस डायरी, रिकॉर्ड में मौजूद अन्य दस्तावेजों की समीक्षा के बाद आगे फैसला लिया जाएगा।

पटना में लाखों की 'कोल्ड ड्रिंक' की लूट , फतुहा में गड्ढे में पलटे दो ट्रक, ड्राइवर-खलासी तड़पते रहे

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा में शनिवार को एक सड़क हादसे के बाद मानवता को शर्मसार कर देने वाली तस्वीर सामने आई। दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद एक ओर जहां चालक और खलासी गंभीर हालत में जिंदगी की जंग लड़ते रहे। वहीं, दूसरी ओर मौके पर जुटे कुछ लोगों ने घायलों की मदद करने के बजाय ट्रक में लदी कोल्ड ड्रिंक लूटनी शुरू कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

7 लाख की कोल्ड ड्रिंक बिखरी,ः ट्रक मालिक के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से करीब 18 टन कोल्ड ड्रिंक लेकर आ रहा एक ट्रक फतुहा की ओर बढ़ रहा था। कंचनपुर गांव के पास सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रक सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरे।

मदद करने के बजाए लूटपाट की मची होड़ः हादसे के बाद ट्रक में लदी करीब 7 लाख रुपये मूल्य की कोल्ड ड्रिंक की बोतलें सड़क

और गड्ढे में बिखर गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे कई लोगों ने घायलों की मदद करने के बजाय कोल्ड ड्रिंक पर हाथ साफ करना शुरू कर दिया। जिसे जो मिला, बोरी, थैला या हाथ में कोल्ड ड्रिंक की बोतलें लेकर भागने लगे। देखते ही देखते पूरा ट्रक खाली हो गया।

चालक और खलासी गंभीर रूप से घायलः इस हादसे में ट्रक ड्राइवर प्रवीण यादव

सामान पर हाथ साफ करते दिखे लोग

और उसका खलासी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। गनीमत रही कि कुछ स्थानीय संवेदनशील लोगों की मदद से दोनों को तुरंत मलबे से निकालकर पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने वीडियो के आधार पर शुरू की पहचानः घटना की सूचना मिलने के बाद फतुहा थाना की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को गड्ढे से बाहर निकलवाया, जिसके बाद हाईवे पर यातायात पूरी तरह बहाल हो सका। फतुहा थाना प्रभारी श्रीमंत सुमन ने बताया, पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वायरल वीडियो के आधार पर लूटपाट करने वालों की पहचान की जा रही है।

फुलवारी शरीफ में मोहर्रम अखाड़ा के दौरान दारोगा घायल

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ में मोहर्रम के जुलूस और पारंपरिक अखाड़ा प्रदर्शन के दौरान शनिवार को एक पुलिसकर्मी घायल हो गए। लाठी प्रदर्शन के दौरान लगी चोट से फुलवारी शरीफ थाना में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर गोपाल मिश्रा जख्मी हो गए। पुलिस ने मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान शाहनवाज के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, घटना चुनौती कुआं इलाके के पास हुई, जहां मोहर्रम के अवसर पर पारंपरिक लाठी प्रदर्शन चल रहा था। इसी दौरान प्रदर्शन के बीच अचानक एक लाठी सब-इंस्पेक्टर गोपाल मिश्रा के गाल पर लग गई। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के तुरंत बाद घायल सब-इंस्पेक्टर को फुलवारी शरीफ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया

गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है। फुलवारी शरीफ थाना के अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने लाठी चला रहे युवक को हिरासत में ले लिया। फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-1 सुशील कुमार ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया, 'चुनौती कुआं के पास लाठी प्रदर्शन के दौरान सब-इंस्पेक्टर गोपाल मिश्रा घायल हुए थे। मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।'

13 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध मौत घर में फंदे से लटका मिला शव

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत बेलछी थाना क्षेत्र के कबीरचक गांव में शुक्रवार शाम एक 13 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में चर्चा और चिंता का माहौल है। मृतका की पहचान कबीरचक निवासी सोनी पासवान की पुत्री हांसो कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार शाम परिवार के सदस्य घर के भीतर पहुंचे तो किशोरी को फंदे से लटका हुआ देखा। इसके बाद आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना को लेकर रंजन कुमार ने बताया कि हांसो कुमारी पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही थी। परिजनों ने आशंका जताई है कि तनाव और अस्वस्थता की स्थिति में उसने यह कदम उठाया हो सकता है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी

नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बेलछी थाना की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पूरी घटना की सभी पहलुओं से जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों का मानना है कि मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

नीतीश के आवास पर आरसीपी के कार्यकर्ताओं का हंगामा, बोले- पूर्व केंद्रीय मंत्री को नीतीश से मिलने से एमएलसी ने रोका

एजेंसी, पटना

पूर्व केंद्रीय मंत्री RCP सिंह शनिवार सुबह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात करने पहुंचे। उनके साथ 20-25 समर्थक भी थे। उन्हें 20 मिनट तक बिठाकर रखा गया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि नीतीश कुमार से उनकी मुलाकात नहीं हुई। नीतीश अपने कमरे से निकले तो अचानक उनकी नजर RCP पर पड़ी। RCP ने प्रणाम किया। नीतीश ने आम कार्यकर्ता की तरह इशारों में जवाब दिया और अंदर चले गए।

RCP सिंह के समर्थक ने कहा कि MLC संजय गांधी और ललन सराफ ने हमें नीतीश कुमार जी से मिलने से रोका। इसके बाद RCP सिंह वापस लौट गए। इस दौरान उनके कार्यकर्ताओं ने दोनों MLC के खिलाफ नारेबाजी भी की। JDU से निकाले गए RCP सिंह, एक

समय नीतीश कुमार के बेहद करीबी नेताओं में से एक माने जाते थे। वे JDU के राष्ट्रीय अक्ष्यक्ष भी रहे हैं। बीते दिनों RCP के जदयू में वापसी की चर्चा भी रही।

JDU में वापसी के सवाल पर RCP बोले- इंतजार कीजिएः नीतीश से मुलाकात के बाद भास्कर ने RCP सिंह से बात की। उन्होंने कहा, आज सुबह नीतीश जी से मेरी बातचीत हुई। कार्यकर्ताओं की इच्छा रहती है कि हमारे नेता 4 साल बाद मिले हैं तो 1-2 घंटे बैठकर बात करते। इसे लेकर कार्यकर्ता गुस्से में आ गए थे। मेरे नीतीश जी के साथ लंबे समय तक काम किया है। आज वो मुख्यमंत्री नहीं भी हैं तो भी वो हमारे नेता हैं। हमारे संबंध वैसे ही हैं। JDU में वापसी के सवाल पर RCP ने कहा, इंतजार कीजिए। समय-काल पर छोड़ दीजिए। निशांत की राजनीति एंट्री पर उन्होंने कहा, परिवार हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है। नीतीश जी के पिता स्वतंत्रता सैनानी रहे। नीतीश

♦ 20 मिनट इंतजार भी करवाया

राजनीति में आए अगर निशांत आ गए तो क्या नई बात हो गई। जब आपको एंट्री मिल गई तो आपको ही साबित करना होगा।

RCP सिंह की नजरें झुकी होंगी: नीरज कुमारः नीतीश कुमार और RCP सिंह की मुलाकात पर JDU MLC नीरज कुमार ने कहा, 'हुजूर आ गए दरबार में कुछ तो कृपा करिए। साथ तो हम आपके आए थे, आपने सम्मान दिया था। लेकिन आपके साथ मैने व्यवहार सही नहीं किया, मैं भटकता रहा। आत्मा भटकती रही। कभी जनसुराज, कभी बीजेपी, कभी अपनी पार्टी। RCP सिंह, नीतीश कुमार से मिल तो लिए, लेकिन नजरे झुकी हुई होंगी, नजरे उठी होगी नीतीश कुमारी जी की।'

संक्षिप्त समाचार

डीआईजी हरकिशोर राय की सख्ती जारी, निलंबित सिपाही आशीष तिवारी की बर्खास्तगी की सिफारिश

बीएनएम@ मोतिहारी। चंपारण रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) हरकिशोर राय अनुशासन और जवाबदेही को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। विभागीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपनी कार्यशैली के तहत उन्होंने भरत तिवारी एनकाउंटर प्रकरण में विवादों में आए निलंबित सिपाही आशीष तिवारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की अनुशंसा की है। सूत्रों के अनुसार, डीआईजी हरकिशोर राय ने आशीष तिवारी के लंबित विभागीय मामलों, सेवा रिकॉर्ड तथा हालिया विवादों की समीक्षा के बाद पुलिस मुख्यालय को उन्हें सेवा से बर्खास्त किए जाने की सिफारिश भेजी है। अंतिम निर्णय पुलिस मुख्यालय स्तर पर लिया जाएगा। बताया जाता है कि आशीष तिवारी पहले से ही दो गंभीर विभागीय मामलों में जांच का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2023 में उन पर एक महिला पुलिस पदाधिकारी पर चाकू से हमला करने का आरोप लगा था। वहीं वर्ष 2024 में पिपरा थाना में तैनाती के दौरान पुलिस अधिकारियों पर गोली चलाने के मामले में उनके विरुद्ध चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। हाल ही में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में दिए गए विवादित बयान के बाद पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया था कि आशीष तिवारी का भरत तिवारी से कोई पारिवारिक संबंध नहीं है। पुलिस महकमे के जानकारों का मानना है कि डीआईजी हरकिशोर राय की कार्यशैली यह स्पष्ट संदेश देती है कि अनुशासनहीनता, सेवा नियमों के उल्लंघन और विभागीय मर्यादा के विपरीत आचरण के मामलों में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

सिपाही (प्रचालक) भर्ती परीक्षा आज, 14 केंद्रों पर 8,951 अभ्यर्थी होंगे शामिल

बीएनएम@ मोतिहारी। बिहार पुलिस दूरसंचार (वितंतु) एवं तकनीकी तथा अराजपत्रित संवर्ग में सिपाही (प्रचालक) के पद पर चयन के लिए केंद्रीय चयन परिषद (सिपाही भर्ती), बिहार द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा आज रविवार (28 जून) को जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर होगी। परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक एक पाली में आयोजित की जाएगी, जिसमें 8,951 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बताया कि परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिलाधिकारी ने केंद्राधीक्षकों को सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा, जैमर, घड़ी, निर्बाध बिजली, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। स्टेटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी सुबह 9 बजे तक अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित रहेंगे। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 10 बजे से शुरू होगा। सुबह 11 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। अभ्यर्थियों की तीन स्तरों पर फ्रिस्किंग होगी। परीक्षा केंद्र में केवल प्रवेश पत्र लेकर प्रवेश की अनुमति होगी। पेन, मोबाइल फोन, घड़ी, इरेज़र, शार्पनर एवं अन्य किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। लेखन कार्य के लिए पेन परीक्षा कक्ष में उपलब्ध कराया जाएगा। महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए महिला कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी में तैनात पदाधिकारी एवं कर्मी भी मोबाइल फोन अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने साथ नहीं रख सकेंगे। परीक्षा अवधि के दौरान सभी केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। इस परिधि में स्थित फोटोस्टेट एवं साइबर कैफे परीक्षा के दिन बंद रहेंगे। परीक्षा केंद्रों पर मीडिया के प्रवेश पर भी रोक रहेगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो परीक्षा के दिन दूरभाष संख्या 06252-242418 पर कार्यरत रहेगा।

सदर अंचल के राजस्व कर्मचारी कृष्णा कुमार श्रीवास्तव निलंबित

बीएनएम@ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने सदर अंचल, मोतिहारी में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी कृष्णा कुमार श्रीवास्तव को अनियमितता एवं कर्तव्यहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय अरेराज अंचल कार्यालय निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी श्री यादव द्वारा जारी आदेश के अनुसार परिमार्जन से संबंधित तीन आवेदनों की जांच में पाया गया कि राजस्व कर्मचारी ने अपने प्रतिवेदन में भूमि को भू-हदबंदी रोक सूची में दर्शाते हुए रिपोर्ट दी, जबकि हर्षवर्धन बहेती बनाम बिहार राज्य (सीडब्ल्यूजेसी संख्या 13711/2024) में 16 मई 2025 को पारित आदेश के तहत संबंधित भूमि को रोक सूची से मुक्त करने का निर्देश दिया जा चुका था। उक्त आदेश में कहा गया है, कि तीनों मामलों में गलत आधार पर परिमार्जन की अनुशंसा करना प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितता है। यह कृत्य कर्तव्यहीनता, अनुशासनहीनता तथा भ्रष्ट आचरण का संकेत देता है और बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के नियम-3(1) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के विपरीत है। बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता देय होगा। जिलाधिकारी ने सदर अंचलाधिकारी को निर्देश दिया है कि कृष्णा कुमार श्रीवास्तव के विरुद्ध आरोप-पत्र तैयार कर 15 दिनों के भीतर विभागीय कार्रवाई के लिए प्रस्ताव समाहर्ता, पूर्वी चंपारण को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने जिला आपातकालीन संचालन सह प्रशिक्षण केंद्र का लिया जायजा

बीएनएम@ मोतिहारी

राज्य सरकार द्वारा संभावित बाढ़ और सुखाड़ से बचाव हेतु पूर्व तैयारियों के लिए दिए गए निर्देश के आलोक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने शनिवार को जिला आपातकालीन संचालन सह प्रशिक्षण केंद्र, पिपराकोठी का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने यहां आवासित 20 सदस्यीय एसडीआरएफ टीम के सदस्यों से बाढ़ पूर्व तैयारियों की जानकारी ली,जिसमें एनडीआरएफ टीम कमांडर द्वारा बताया गया कि एसडीआरएफ टेक्निकल टीम द्वारा ओबीयएम मशीन तथा मोटरबोट की जांच की जा चुकी हैं तथा टीम द्वारा बाढ़ से प्रभावित होने वाले अंचलों में मॉक ड्रिल कर लोगों को विभिन्न आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई है। यहां से जिलाधिकारी के द्वारा एसडीआरएफ टीम के गोदाम में रखे इंफ्टेबलेट्स मोटर, लाइफ जैकेट, राहत बचाव में उपयोग आने वाले स्ट्रेचर, ओबियम मशीन आदि के स्थिति को जांचा परखा गया। टीम कमांडर द्वारा बताया गया कि एसडीआरएफ टीम के गोदाम में कुल 40 लाइफ जैकेट, 6 परिचालन योग्य ओबियम मशीन, राहत बचाव में उपयोग होने वाले स्ट्रेचर, रस्सी तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने सभी समानों के उचित रख-रखाव तथा समय-समय पर ओबियम मशीन के परीक्षण के लिए निर्देशित किया ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तीव्र गति से राहत बचाव कार्यों को अंजाम दिया जा सकेगा। वहीं जिलाधिकारी श्री यादव ने संभावित बाढ़ से बचाव के लिए एनडीआरएफ टीम की प्रतिनियुक्ति के आवासन के लिए पिपराकोठी आपदा भवन में सभी तैयारियों को देखा एवं साफ सफाई का ध्यान रखने की बात कही गई। जिलाधिकारी द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारियों पर संतोष प्रकट करते हुए राहत बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ टीम को हमेशा तैयार रहने तथा पंचायत स्तर पर बाढ़ से बचाव के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाते रहने के लिए भी निदेशित किया गया। इस बात पर बल दिया कि किसी भी आपदा के समय हमारा रेस्पांस टाइम कम से कम हो और जल्दी सहायता पहुंचाई जा सके। इसको लेकर तत्पर पर रहने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त आशीष कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी निशांत सिहारा, जिला आपदा प्रबंधन प्रभारी अखिलेश कुमार सहित अंचलाधिकारी पिपराकोठी तथा पिपराकोठी आपदा भवन में आवासित एसडीआरएफ टीम के सदस्य उपस्थित थे।

तुरकौलिया को मिले नए थानाध्यक्ष, रंजीत कुमार संभालेंगे कमान

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक ने बेहतर पुलिसिंग, प्रशासनिक सुगमता और कार्यकुशलता को ध्यान में रखते हुए तुरकौलिया थाना में नए थानाध्यक्ष की नियुक्ति की है। पुलिस निरीक्षक (2009 बैच) रंजीत कुमार को तुरकौलिया थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा 27 जून 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रंजीत कुमार का पदस्थापन कार्यदक्षता, प्रशासनिक नियंत्रण तथा रिक्त पद पर नियुक्ति के उद्देश्य से किया गया है। यह पदस्थापन पुलिस मुख्यालय, पटना के निर्धारित मानकों एवं प्रावधानों के अनुरूप किया गया है। रंजीत कुमार इससे पूर्व नारदीगंज, रजौली और अकबरपुर (नवादा), पाली (जहानाबाद) तथा रेल थाना (समस्तीपुर/हाजीपुर) में थानाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। विभिन्न जिलों में उनके प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए उन्हें अब तुरकौलिया थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस पदस्थापन का उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना, बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करना तथा प्रशासनिक कार्यों में प्रभावशीलता लाना है।

मनीष सिंह हत्याकांडः गायब पेन ड्राइव बरामद करने की मांग तेज, सीआईडी जांच की उठी मांग

बीएनएम@ मोतिहारी

पत्रकार मनीष कुमार सिंह हत्याकांड में कथित रूप से गायब इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य (पेन ड्राइव) की बरामदगी को लेकर एक बार फिर मामला गरमा गया है। मृतक के पिता एवं कांड के सूचक संजय कुमार सिंह ने बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर पेन ड्राइव बरामद कराने तथा अद्यतन केस डायरी के साथ उसे न्यायालय में प्रस्तुत कराने की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 320/2021 की केस डायरी में पेन ड्राइव का उल्लेख है, लेकिन जांच अधिकारियों के प्रभार परिवर्तन के दौरान यह महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य कथित रूप से गायब हो गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे मामले की जांच प्रभावित हुई है। उन्होंने संबंधित अनुसंधानकर्ता की भूमिका की जांच कर उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने तथा दोषी अधिकारियों पर विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो न्यायिक जांच की मांग को लेकर न्यायालय की शरण ली जाएगी। इधर, पूर्वी चंपारण के विभिन्न पत्रकार संगठनों ने भी इस मामले की संपूर्ण जांच अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) से कराने की मांग की है। पत्रकार संगठनों का कहना है कि निष्पक्ष जांच और महत्वपूर्ण साक्ष्यों की बरामदगी से ही पीड़ित परिवार को न्याय मिल सकेगा।

24.91 लाख रुपये बरामदगी मामले में बड़ी कार्रवाई, तुरकौलिया थानाध्यक्ष सम्पत कुमार निलंबित

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने चर्चित 24.91 लाख रुपये नकद बरामदगी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तुरकौलिया के तत्कालीन थानाध्यक्ष सम्पत कुमार को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने प्राथमिकी में तथ्यों में कथित हेरफेर और गंभीर प्रशासनिक अनियमितता के आरोप में यह कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, 25 मई की रात तुरकौलिया थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर निमुइया चौक के समीप एक कार की तलाशी के दौरान डिक्की में बने गुप्त तहखाने से 24 लाख 91 हजार रुपये नकद बरामद किए थे। इस दौरान नेपाल के बारा जिले के प्रज्वल सहनी और दीपेश कुमार यादव के साथ आदापुर निवासी कृष्णा सहनी तथा सुभाष कुमार को हिरासत में लिया गया था। प्रारंभिक जांच में बरामद नकदी का संबंध नेपाल से संचालित एक कथित ड्रग्स सिंडिकेट से होने की आशंका जताई गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि बरामदगी के तीन दिन बाद 28 मई को प्राथमिकी दर्ज की गई। आरोप है कि थानाध्यक्ष ने अपने स्वलिखित बयान में बरामदगी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों में बदलाव किया तथा हिरासत में लिए गए चारों संदिग्धों को निजी मुचलके (पीआर बांड) पर छोड़ दिया। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की पूरी जानकारी नहीं देने और अभिलेखों में हेरफेर के भी आरोप लगे हैं। प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार की जांच रिपोर्ट में कथित तौर पर उल्लेख किया गया है कि बरामद नकदी को सामान्य राशि दर्शाने का प्रयास किया गया, ताकि मामला एनडीपीएस एक्ट के दायरे में न आए। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि आरोपियों को पीआर बांड पर छोड़ने के पीछे लेन-देन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मामले की गंभीरता को देखते हुए पटना की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की विशेष टीम भी जांच में जुटी है। टीम बरामद नकदी के स्रोत, उसके उपयोग और संभावित नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि जांच में जो भी पुलिसकर्मी या अन्य व्यक्ति दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध सख्त कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्येक माह के आखिरी रविवार को हर ग्राम पंचायत में "पंचायत विकास दिवस" कार्यक्रम का किया जाएगा आयोजन

महिला हितैषी पंचायत थीम पर होगी ग्रामसभा, सभी विभागों की सहभागिता से विकास योजनाओं की होगी समीक्षा

» आज 28 जून को जिला के सभी पंचायतों में किया जाएगा ग्राम सभा का आयोजन

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आज पूर्वाह्न 10 बजे से 12 बजे तक "पंचायत विकास दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम ग्राम सभा के रूप में पंचायत सरकार भवन, पंचायत भवन अथवा अन्य उपयुक्त सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने सभी संबंधित अधिकारियों को इसके सफल आयोजन के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पंचायत विकास दिवस का आयोजन पूर्ण समन्वय और प्रभावी अंतर-विभागीय सहयोग के साथ सुनिश्चित किया जाए। ग्राम सभा में पंचायत राज विभाग के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आईसीडीएस, जीविका, कृषि, पशुपालन, मनरेगा, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास, विद्युत एवं सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। "पंचायत विकास दिवस" के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा उनकी समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों की समीक्ष भी की जाएगी। इस बार पंचायत विकास दिवस की थीम "महिला हितैषी पंचायत" निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, स्वरोजगार तथा आजीविका संवर्द्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा होगी। जिला प्रशासन ने जीविका दीदियों और आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि महिला केंद्रित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके और उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। पंचायत विकास दिवस पर आयोजित ग्राम सभा की बैठक में विकास योजनाओं और पंचायत की प्रगति की होगी समीक्षा की जाएगी, जिसमें पंचायत की वित्तीय स्थिति, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स, सतत विकास लक्ष्यों, पंचायत की आय बढ़ाने के उपायों तथा पिछले माह लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी विकास योजनाओं और पंचायत संचालित कल्याणकारी कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। जिलाधिकारी श्री यादव ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, पंचायत सचिवों, विभागीय अधिकारियों, जीविका समूहों, आशा कार्यकर्ताओं एवं आम ग्रामीणों से पंचायत विकास दिवस में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त, समावेशी और विकसित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" का लाइव प्रसारण भी सभी ग्राम पंचायतों में सामूहिक रूप से सुना जाएगा। इसके अलावा वीबी-जी राम जी के तहत रोजगार और आजीविका से जुड़े विभिन्न अवसरों एवं योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी जाएगी।

गलत जांच प्रतिवेदन देने पर सदर अंचल के राजस्व कर्मचारी निलंबित

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी ने सदर अंचल में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी कृष्णा कुमार श्रीवास्तव को गंभीर अनियमितता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय अरेराज अंचल कार्यालय निर्धारित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, राजस्व कर्मचारी ने परिमार्जन के तीन मामलों (आवेदन संख्या 260274934263404, 250238472752297 एवं 250289322751071) में जांच प्रतिवेदन देते हुए गलत आधार पर यह उल्लेख किया कि संबंधित भूमि भू-हदबंदी की रोक सूची में है। जबकि पटना उच्च न्यायालय ने सीडब्ल्यूजेसी संख्या 13711/2024 (हर्षवर्धन बहेती बनाम बिहार राज्य) में 16 मई 2025 को उक्त भूमि को रोक सूची से मुक्त करने का आदेश दिया था। जिलाधिकारी ने अपने आदेश में कहा है कि न्यायालय के आदेश की अनदेखी करते हुए गलत आधार पर परिमार्जन से संबंधित जांच प्रतिवेदन देना कर्तव्यहीनता, लापरवाही, अनुशासनहीनता तथा भ्रष्ट आचरण का परिचायक है। यह कृत्य बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के नियम-3 तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के विपरीत है। बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता मिलेगा। साथ ही जिलाधिकारी ने सदर अंचलाधिकारी को निर्देश दिया है कि आरोप-पत्र गठित कर 15 दिनों के भीतर विभागीय कार्रवाई का प्रस्ताव समाहर्ता, पूर्वी चंपारण को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

मोतिहारी में कल जुटेगा समाज, भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच फाउंडेशन की बैठक में शामिल होंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोष कुमार

बीएनएम@ मोतिहारी

भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को शहर के टाउन हॉल सभागार में एक विशेष बैठक का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर समाज के लोगों और संगठन के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। बैठक का मुख्य विषय "सामाजिक सद्भाव में अपने समाज की भूमिका एवं कार्यकारिणी विस्तार" रखा गया है। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ-साथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का विस्तार भी किया जाएगा। बैठक में फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोष कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे समाज के उत्थान, युवाओं की भूमिका तथा वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में संगठन की दिशा और भविष्य की कार्ययोजना पर अपने विचार रखेंगे। फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष आलोक चंद्र ने जिले के सभी प्रबुद्धजनों एवं समाज के सदस्यों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह बैठक समाज को नई दिशा देने और संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया है कि वे कार्यक्रम की गरिमा बनाए रखने के लिए पूर्वाह्न 11 बजे से पांच मिनट पहले टाउन हॉल सभागार पहुंचना सुनिश्चित करें।

कायस्थ शक्ति मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने चक्रपाणि महाराज व सेवक संजय नाथ से की भेंट, थीम सॉन्ग का लोकार्पण

बीएनएम@ मोतिहारी

कायस्थ शक्ति मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में संगठन संरक्षक पूज्य चक्रपाणि महाराज एवं पूज्य सेवक संजय नाथ से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संस्थापक अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, संस्थापक -सह-अध्यक्ष ऋषभ श्रीवास्तव तथा कार्यकारी अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव शामिल थे। इस दौरान दोनों संतों के करकमलों से संगठन के थीम सॉन्ग का लोकार्पण किया गया। इसे समाज में एकता, जागरूकता और संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक बताया गया। वहीं कायस्थ समाज के राष्ट्रीय विस्तार, युवाओं की भागीदारी और सामाजिक एकजुटता को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। संतों ने संगठन के पदाधिकारियों को समाजहित में कार्य करते रहने का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन दिया। बैठक में चित्रगुप्त अखाड़ा के तत्वावधान में भविष्य में विश्वव्यापी "चित्रगुप्त महापंचायत" आयोजित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित महापंचायत में देश-विदेश के कायस्थ समाज के प्रतिनिधियों, संतों, विद्वानों एवं सामाजिक संगठनों को एक मंच पर लाने की योजना पर चर्चा हुई।साथ ही, 23 जनवरी 2027 को बिहार के चंपारण से कायस्थ शक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय विस्तार एवं जनजागरण अभियान की शुरुआत करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन का उद्देश्य देश एवं विदेश के कायस्थ समाज को एक मंच पर संगठित कर सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और राष्ट्रीय विकास में उसकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि संतों का मार्गदर्शन संगठन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा। प्रतिनिधिमंडल की इस भेंट को कायस्थ समाज की एकता एवं संगठनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मॉर्निंग वॉक पर निकले दो चचेरे भाई 4 दिनों से लापता

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

बीएनएम@ शेखपुराः जिले के करंडे थाना क्षेत्र के तियाय गांव से पिछले चार दिनों से लापता दो 15 वर्षीय चचेरे भाइयों का अब तक सुराग नहीं मिल सका है। लापता किशोरों की पहचान राजा राम वर्मा के पुत्र सत्यम कुमार और जितेंद्र वर्मा के पुत्र नंदन कुमार के रूप में हुई है, जिन्होंने हाल ही में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। दोनों किशोर रोज की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे।लहान पंचायत के मुखिया भारत यादव ने बताया कि दोनों किशोरों के पास न तो मोबाइल फोन है और न ही पैसे, जिससे किसी अनहोनी की आशंका से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थक-हारकर परिजनों और ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर पुलिस अधीक्षक हिमांशु से मुलाकात कर बच्चों की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है।करंडे थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। खोजबीन के दौरान लखीसराय रेलवे जंक्शन के सीसीटीवी फुटेज में दोनों किशोर दिखाई दिए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वे किसी ट्रेन से किसी बड़े शहर की ओर चले गए हैं। पुलिस तकनीकी इनपुट और सभी संभावित पहलुओं के आधार पर दोनों भाइयों को जल्द खोजने का प्रयास कर रही है।

लोजपा नेता के नाम से भेजी जा रही फ्रेंड रिक्वेस्ट, मांगे जा रहे पैसे

बीएनएम@ समस्तीपुर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बिहार आईटी सेल के प्रदेश सचिव संतोष पासवान के नाम और फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी फेसबुक अकाउंट संचालित किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। असामाजिक तत्वों द्वारा उनकी नकली प्रोफाइल बनाकर शुभचिंतकों और आम लोगों से आर्थिक सहायता के नाम पर पैसे मांगे जा रहे हैं। मामले का खुलासा होने के बाद संतोष पासवान ने आम जनता से सतर्क रहने की अपील की है।मोहिउद्दीननगर दक्षिण पंचायत निवासी संतोष पासवान ने बताया कि कुछ शरारती तत्व सोशल मीडिया पर उनकी पहचान का गलत इस्तेमाल कर साइबर ठगी की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने समर्थकों से अपील की है कि उनके नाम से आने वाले किसी भी संदिग्ध संदेश या फ्रेंड रिक्वेस्ट पर भरोसा न करें और बिना सीधे फोन पर बात किए किसी भी खाते में ऑनलाइन पैसे न भेजें। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस मामले को लेकर समस्तीपुर साइबर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से दोषियों को चिह्नित कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

बगहा : 75 हजार से अधिक बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य, 164 टीमें गठित

बीएनएम@ बगहाः राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) बगहा-दो एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड़ क्षेत्र में 28 जून से पांच दिवसीय विशेष अभियान की शुरुआत होगी। इस अभियान के दौरान जन्म से पांच वर्ष तक के कुल 75,834 बच्चों को पोलियोरोधी दवा की खुराक पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने इस महाअभियान की सभी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली हैं।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केवीएन सिंह ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए करीब 500 स्वास्थ्यकर्मियों को काम पर लगाया गया है। इनमें घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाने के लिए 164 होम-टू-होम टीमें गठित की गई हैं। वहीं, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और चौक-चौराहों जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मुस्तैद रहने के लिए 45 ट्रांजिट टीमें तैनात रहेंगी। इसके अलावा दो मोबाइल टीमें भी बनाई गई हैं। अभियान की निगरानी के लिए 59 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। वैक्सीन की उपलब्धता हेतु बगहा-दो में एक मुख्य डिपो तथा 13 सब-डिपो बनाए गए हैं। मौके पर डॉ. रणवीर सिंह, जितेश कुमार और पिंकी कुमारी सहित कई स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

विशेष अभियान में हटा अवैध अतिक्रमण, 9 हजार जुर्माना वसूला

सब्जी मंडी में शिफ्ट हुए 10 दुकानदार

बीएनएम@ शेखपुराः जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर परिषद द्वारा शहर को जाम मुक्त और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के तहत सड़कों और फुटपाथों पर अवैध रूप से लगाई गई दुकानों को हटाया गया, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से कुल 9,000 का जुर्माना वसूला गया। प्रशासन ने सख्त चेतावनी दी है कि दोबारा सड़क या फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इसी क्रम में प्रशासन ने दुकानदारों के पुनर्वास की दिशा में कदम उठाते हुए नई सब्जी मंडी परिसर में 10 फुटपाथ दुकानदारों को शिफ्ट कराया है। इन सभी स्थानांतरित दुकानदारों को नगर परिषद की ओर से आधिकारिक पहचान पत्र भी प्रदान किया गया है, ताकि कारोबार में पारदर्शिता बनी रहे। नगर परिषद ने अन्य विक्रेताओं से भी जल्द से जल्द सब्जी मंडी में शिफ्ट होने की अपील की है।

रेल पुलिस ने अपहृत बालक को किया बरामद, 5 गिरफ्तार

बीएनएम@ समस्तीपुर। रेल थाना समस्तीपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपहरण के एक मामले का सफल उद्भेदन किया है। पुलिस ने अपहृत बालक आशीष कुमार को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। इसके साथ ही इस वारदात में संलिप्त पांच आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।जानकारी के अनुसार, रेल थाना कांड संख्या 133/26 के तहत दर्ज इस मामले में पुलिस तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी कर रही थी। करीब 15 दिनों बाद पुलिस को यह सफलता मिली। गिरफ्तार अभियुक्तों में पूर्वी चंपारण के सन्नी साहनी, सुनील कुमार, शांति देवी, विकास कुमार तथा सारण जिले की सुमन देवी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस अपहरण के पीछे के वास्तविक कारणों, संभावित नेटवर्क और किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता की गहन जांच कर रही है।

हरसिद्धि में तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार, राजस्थान में लॉ की पढ़ाई कर रहा था एक आरोपी

बीएनएम@ हरसिद्धि (पूर्वी चंपारण)

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के दुदही गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोतिहारी के निर्देशन में अरेराज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों के मोबाइल फोन की जांच में तेलंगाना, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के लोगों से साइबर ठगी के प्रमाण मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह का सरगना दुदही गांव का ही रहने वाला है, जो पुलिस पर हमले और साइबर अपराध के मामलों में पहले से फरार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के सदस्य बिहार से बाहर रहकर अपने रिश्तेदारों और सहयोगियों के साथ मिलकर साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विक्की कुमार (20 वर्ष), पिता मदन सहनी, गुड्डू कुमार (28 वर्ष), पिता

सुखदेव सहनी तथा प्रिस कुमार (19 वर्ष), पिता मदन सहनी, सभी निवासी दुदही, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार के अनुसार, गिरफ्तार विक्की कुमार राजस्थान में एलएलबी (लॉ) के छठे सेमेस्टर का छात्र है। छापेमारी के दौरान साइबर ठगी में प्रयुक्त चार स्मार्टफोन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए हैं। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर साइबर थाना के सहयोग से गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक प्रीतम कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अंकित कुमार तथा हरसिद्धि थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।

1 जुलाई से शुरू होगी तिमाही परीक्षा, 8 जुलाई तक चलेगी इंटरमीडिएट की परीक्षा

बीएनएम@ पताही

प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय, जिहुली में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तिमाही परीक्षा 1 जुलाई से प्रारंभ होगी। विद्यालय प्रशासन ने परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि कक्षा 9वीं एवं 10वीं की तिमाही परीक्षा 1 जुलाई से 3 जुलाई तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। वहीं इंटरमीडिएट (11वीं एवं 12वीं) की तिमाही परीक्षा 1 जुलाई से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराई जाएगी। सभी विद्यार्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचने, विद्यालय की निर्धारित वर्दी में आने तथा आवश्यक लेखन सामग्री साथ लाने का निर्देश दिया गया है। प्रधानाध्यापक ने विद्यार्थियों से परीक्षा की बेहतर तैयारी कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील करते हुए कहा कि तिमाही परीक्षा शैक्षणिक मूल्यांकन का महत्वपूर्ण चरण है। इसलिए सभी छात्र-छात्राएं पूरी गंभीरता, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल हों।

बरबीघा अंचल कार्यालय में भूमि विवाद निवारण शिविर का आयोजन

अपर समाहर्ता ने दिए लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

बीएनएम@ शेखपुराः अपर समाहर्ता लखीन्द्र पासवान ने अंचल कार्यालय बरबीघा में आयोजित शनिवारीय भूमि विवाद निवारण शिविर का औचक अनुश्रवण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में प्राप्त आवेदनों और उनके निष्पादन की प्रगति की गहन समीक्षा की तथा लंबित मामलों के त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।समीक्षा के क्रम में सरकारी भूमि अतिक्रमण से संबंधित एक आवेदन पर विशेष चर्चा की गई। अपर समाहर्ता ने अंचलाधिकारी (सीओ) गौरव कुमार को राजस्व अभिलेखों का सत्यापन करने, अमीन से स्थल निरीक्षण व मापी कराकर शीघ्र तथ्यात्मक प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश दिया। अतिक्रमण की पुष्टि होने पर बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया। मौके पर मौजूद भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) मृत्युंजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों को हिदायत दी गई कि हर शनिवार को होने वाली इस बैठक में मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विधि-व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति में स्थानीय थाने के साथ समन्वय बनाकर कार्रवाई की जाए, क्योंकि भूमि विवादों का पारदर्शी निस्तारण प्रशासन की मुख्य प्राथमिकता है। शिविर में कई राजस्व कर्मी और अमीन उपस्थित थे।

भारी वाहनों के ठहराव के लिए एनएचएआई बनाएगी 'ले-बाय': डीएम

जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स की बैठक में डीएम ने दिए हाईवे स्ट्रेच की नियमित जांच के आदेश

» पेट्रोल पंपों की समस्याओं का होगा समाधान

बीएनएम@ शेखपुरा

जिला पदाधिकारी शेखर आनंद की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने एनएचएआई को भारी वाहनों के सुरक्षित ठहराव के लिए आवश्यकतानुसार 'ले-बाय' का निर्माण कराने का सख्त निर्देश दिया। इसके साथ ही, उन्होंने एनएचएआई और एनएच-333ए के हाईवे स्ट्रेच पर से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से विशेष अभियान चलाने को कहा। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) प्रियंका कुमारी द्वारा शेखपुरा एवं बरबीघा नगर परिषद क्षेत्रों में चलाए गए नियमित अतिक्रमण हटाओ अभियान की सराहना भी की गई।डीएम ने सर्विलांस टीम को राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगातार गश्त करने और वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (VLTD) समेत अन्य सुरक्षा मानकों की नियमित जांच करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक सड़कों और एक्सप्रेस-वे पर सड़क सुरक्षा संबंधी संकेतक (रोड साइनेज) सही स्थानों पर लगाने और पेट्रोल पंप संचालकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की बात कही गई। बैठक में एडीएम, डीडीसी, एसडीओ, एसडीपीओ, डीटीओ और एनएचएआई के कार्यपालक अभियंता समेत कई अधिकारी उपस्थित थे।

कुसुम ने बीपीएससी में मारी बाजी, भाजपा नेता दी बधाई

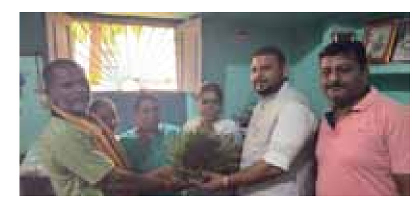

बीएनएम@ शेखपुरा

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा में 65वीं रैंक हासिल कर नगर परिषद क्षेत्र के इंदाय मोहल्ले की कुसुम ने पूरे जिले का नाम रोशन किया है। शनिवार को भाजपा नेता सह सांसद प्रतिनिधि विपिन मंडल उनके आवास पहुंचे और उन्हें बुके देकर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस मौके पर विपिन मंडल ने कहा कि कुसुम की यह शानदार सफलता पूरे जिले के लिए अत्यंत गर्व की बात है। उन्होंने कठिन परिश्रम, अटूट लगन और दृढ़ आत्मविश्वास के बल पर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जो क्षेत्र के युवाओं और विशेषकर बेटियों के लिए एक बड़ा प्रेरणा स्रोत बनेगी। उन्होंने बेटियों की प्रशासनिक सेवाओं में बढ़ती भागीदारी को समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश बताया और कुसुम के परिवार के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने भी मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया।

तुरकौलिया चौक पर हाईकोर्ट के आदेश से चला बुलडोजर, अतिक्रमण हटाने की तीन दिवसीय कार्रवाई शुरू

बीएनएम@ तुरकौलिया

पटना हाईकोर्ट के आदेश पर तुरकौलिया चौक स्थित पीडब्ल्यूडी की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शनिवार को शुरू हो गई। अंचलाधिकारी (सीओ) संतोष कुमार के नेतृत्व में बुलडोजर चलाकर करीब डेढ़ दर्जन मकान, दुकान और क्लिनिक को हटाया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार यह अभियान तीन दिनों तक चलेगा। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। बुलडोजर चलते ही अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। कई लोग अपने भवनों और दुकानों से सामान निकालते नजर आए, जबकि पक्के निर्माण ध्वस्त किए गए। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 50 वर्ष पहले यही पीडब्ल्यूडी की मुख्य सड़क थी, जिससे होकर मोतिहारी और अरेराज के बीच आवागमन होता था। बाद में सड़क को सीधा करने के लिए नया मार्ग बनाया गया और प्रभावित लोगों को मुआवजा देकर भूमि अधिग्रहित की गई। पुरानी सड़क की देखरेख नहीं होने के कारण उस पर धीरे-धीरे अतिक्रमण होता गया। समय के साथ सड़क इतनी संकरी हो गई कि बड़े वाहनों का गुजरना भी मुश्किल हो गया। बताया जाता है कि

कुछ लोगों ने अतिक्रमित सरकारी भूमि को निजी संपत्ति बताकर लाखों रुपये में बेच भी दिया। अब उस जमीन पर बने भवनों के टूटने से खरीदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सीओ संतोष कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के बाद संबंधित अतिक्रमणकारियों को प्रपत्र-1 एवं प्रपत्र-2 के माध्यम से नोटिस जारी किया गया था। इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। न्यायालय द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को फटकार लगाए जाने के बाद कार्रवाई तेज की गई। चार दिन पहले अतिक्रमित भवनों पर लाल निशान लगाकर स्वयं अतिक्रमण हटाने की अंतिम चेतावनी दी गई थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में इस मामले में 18 अतिक्रमणकारियों समेत कुल 19 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इनमें कुछ आरोपितों ने जमानत ले ली, कुछ जेल भी गए, जबकि कुछ अब भी फरार बताए जा रहे हैं। सीओ ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में आने वाले पूरे खर्च का आकलन कर चालान बनाया जाएगा और यह राशि संबंधित अतिक्रमणकारियों से वसूल की जाएगी।

बांकीपुर में खुद मैदान में उतर सकते हैं पीके

बीएनएम@ पटना

बिहार की राजनीति में बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद रिक्त हुई इस सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) ने खुद चुनाव लड़ने का बड़ा राजनीतिक संकेत दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "बांकीपुर में भाजपा का किला तोड़ने के लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा, वह किया जाएगा। अगर जरूरत पड़ी तो मैं खुद भी चुनाव लड़ूंगा।" हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि उम्मीदवार पर अंतिम फैसला पार्टी ही करेगी।गौरतलब है कि बांकीपुर सीट पिछले तीन दशकों से भाजपा का बेहद मजबूत गढ़ रही है।

पीके के इस बयान के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जन सुराज ने यहां व्यापारियों, युवाओं और बुद्धिजीवियों के साथ बैठकें कर जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि प्रशांत किशोर स्वयं मैदान में उतरते हैं, तो यह उपचुनाव भाजपा की सांगठनिक मजबूती और जन सुराज की जमीनी ताकत की सबसे बड़ी परीक्षा साबित होगा।

बंद घर से लाखों की चोरी, राजगीर पूजा करने गए थे सेवानिवृत्त कर्मी

बीएनएम@ शेखपुरा

मेहुस थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। अज्ञात बदमाश घर से करीब 5 लाख के सोने-चांदी के जेवरात, 40 हजार नकद, कीमती कपड़े, बर्तन और जमीन के महत्वपूर्ण कागजात चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित गृहस्वामी व कोलियरी से सेवानिवृत्त कर्मी मथुरा राम पूजा-अर्चना के लिए राजगीर गए हुए थे। जाने से पहले उन्होंने घर में ताला लगाकर चाबी अपने बड़े भाई को सौंप दी थी। इसी बीच चोरों ने घर के बगल में स्थित नीम के पेड़ के सहारे छत पर चढ़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी व बक्सों के ताले तोड़ डाले। घटना का खुलासा तब हुआ जब बड़े भाई घर पहुंचे और सामान बिखरा देखा। सूचना मिलते ही मेहुस थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पीड़ित के आवेदन पर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गन्ने के खेत में युवक का शव मिलने से सनसनी, तेजाब से जलाकर हत्या की आशंका

शरीर पर झुलसने के निशान, फॉरेंसिक जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम@ मोतिहारी

पीपराकोठी थाना क्षेत्र के मथुरापुर मठगोपाल गांव में शनिवार को गन्ने के खेत से 35 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बुधन मियां के पुत्र शहाबुद्दीन अहमद के रूप में हुई है। शव पर गंभीर झुलसने जैसे निशान मिलने के बाद तेजाब (एसिड) से जलाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, शहाबुद्दीन शनिवार सुबह करीब नौ बजे घर से निकले थे, लेकिन दोपहर तक वापस नहीं लौटे। परिजनों द्वारा खोजबीन के दौरान उनकी बहन रवीना खातून ने गांव के एक गन्ने के खेत में उनका शव देखा। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक के शरीर पर किसी रासायनिक पदार्थ से झुलसने जैसे गहरे निशान थे, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। मृतक अपने परिवार में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस हत्या समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

24 घंटे में दो बार खराब हुआ ट्रांसफार्मर, अंधेरे में रहने को मजबूर ग्रामीण

63 या 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाने की ग्रामीणों ने की मांग

बीएनएम@ तुरकौलियाः प्रखंड की तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के सेमराटोला नहर बांध पर लगा विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने से शुक्रवार से बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। इससे क्षेत्र के उपभोक्ता अंधेरे में रहने को विवश हैं और भीषण गर्मी में उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गुरुवार को लगा ट्रांसफार्मर जल गया था। इसके बाद शुक्रवार को विभाग ने दूसरा ट्रांसफार्मर लगाया, लेकिन रात में उसका भी फ्यूज उड़ गया। मरम्मत के बाद बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया गया, लेकिन कुछ ही देर में फिर से सभी फ्यूज उड़ गए और आपूर्ति ठप हो गई। बताया जा रहा है कि वर्तमान में यहां 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया है, जो क्षेत्र के बिजली भार के अनुरूप पर्याप्त नहीं है। अधिक लोड के कारण ट्रांसफार्मर बार-बार खराब हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक यहां 63 या 100 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर नहीं लगाया जाएगा, तब तक समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत के बावजूद विद्युत विभाग इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर रहा है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से अविलंब अधिक क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाने तथा नियमित बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

देश में आक्रोश

फारस की खाड़ी की नौसैनिक नाकेबंदी के बावजूद अमेरिकी नौ सेना ने चीन या रूस से संबंधित किसी टैंकर पर हमला नहीं किया है। क्यों? क्या वह उन देशों को मजबूत और भारत को कमजोर मानता है? ओमान की खाड़ी में तीन विदेशी झंडे वाले वाणिज्यिक टैंकरों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मौत पर उचित ही देश में आक्रोश फैला है। इन घटनाओं पर देशवासियों का व्यग्र होना भी स्वाभाविक है। बेशक, ये घटनाएं नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश नीति की एक दुखद टिप्पणी हैं। अजीब विडंबना है कि अमेरिका और भारत खुद को 'प्रमुख रक्षा भागीदार6 बताते हैं। इसके बावजूद अमेरिकी नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय जल-क्षेत्र में वाणिज्यिक टैंकरों पर मिसाइल दाग कर भारतीय नाविकों की जान ले ली। यह साफ हो चुका है कि अमेरिकी नौसेना का तीनी विदेशी ध्वज वाले वाणिज्यिक टैंकरों के चालक दल से सीधा संपर्क था। यानी हमला शुरू करने से पहले उसे मालूम था कि चालक दल के सदस्य भारतीय हैं। मगर अमेरिकी नौसेना ने भारतीयों की जान और भारतवासियों की भावनाओं की तनिक परवाह नहीं की। उचित ही इस क्रम में पिछले मार्च में हुई उस घटना का उल्लेख हुआ है, जब अमेरिकी नौसेना ने भारतीय तट के करीब ही एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया था। वह ईरानी जहाज भारत के आमंत्रण पर भारत में हुए नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने आया था। गैर-लड़ाकू स्थिति में आए उस जहाज के लौटते वक्त अंतरराष्ट्रीय कायदों और आम नैतिकता को ठेंगे पर रखते हुए अमेरिका ने उसे डुबोया। उस घटना पर भारत सरकार की चुप्पी चर्चा का विषय बनी थी। अगर भारत ने उस समय पुरजोर विरोध जताया होता, तो ये संभव था कि ओमान की खाड़ी में भारतीय नाविकों को निशाना बनाने की बेपरवाह कार्रवाई करने से पहले अमेरिकी नौ सेना को कई बार सोचना पड़ता। यह भी गौरतलब है कि अमेरिका कच्चे तेल का परिवहन करने वाले जिन जहाजों को 'शैडो फ्लीट6 बताता है, उनमें से अनेक चीन और रूस से भी जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून में बिना किसी आधार के पिछले 13 अप्रैल को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने होरमुज जलडमरुमद्य की नौसैनिक नाकेबंदी शुरू की थी। इसके बावजूद अमेरिकी सेना ने सीधे चीन या रूस से संबंधित किसी टैंकर पर हमला नहीं किया है। क्यों? क्या वह उन देशों को मजबूत और भारत को कमजोर मानता है?

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

ललित गर्ग

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यहकेवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्किसामाजिक चेतना के संकट का संकेत है। राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने

रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं। लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना।

पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है। आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं। भौतिकता, उपभोक्तावाद और अंधी प्रतिस्पर्धा की आंधी ने संयम, सादगी, त्याग और पारिवारिक मर्यादाओं जैसे जीवन-मूल्यों को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं नशे का बढ़ता प्रचलन, शराब और मादक पदार्थों की लत युवा पीढ़ी को परिवार और समाज से काटकर हिंसा, अपराध और संवेदनहीनता की ओर ले जा रही है। जब समाज में व्यक्ति अपने स्वार्थ, वासना और तात्कालिक सुख को ही सर्वोच्च मानने लगे, तब रिश्ते साधना नहीं, सौदे बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि परिवार, शिक्षा, धर्म, मीडिया और शासन-सभी मिलकर मानवीय मूल्यों, पारदर्शिता, संवाद, नैतिकता और पारस्परिक सम्मान की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। क्योंकि यदि मानवीय रिश्तों की बुनियाद ही हिल गई, तो न केवल परिवार टूटेंगे, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सभ्यता का पूरा ढांचा भी संकट में पड़ जाएगा।

नरेन्द्र मोदीः सबसे लंबे समय तक प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री

सुशर्मिष्ठा मुखर्जी

भारत में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता को लेकर चल रही बहस के बीच, मुझे मेरे पिता, स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी की 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अभूतपूर्व जीत के बारे में बताई गई एक दिलचस्प बात याद आती है। उस समय बाबा भारत के 13वें राष्ट्रपति थे। अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं से जुड़े होने के बावजूद, उनके बीच बहुत अच्छे संबंध थे, जो शायद एक सच्चे लोकतंत्र की वास्तकविक पहचान है।

चुनाव परिणाम आने के बाद, मोदी राष्ट्रपति भवन में बाबा से मिलने आए। बातचीत के दौरान, बाबा ने मोदी से चुनाव के बारे में उनका विश्लेषण पूछा। उन्होंने उत्तर दिया कि तीन दशकों के बाद किसी राजनीतिक पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला है। तब बाबा ने अपने विशिष्ट प्रोफ़ेसर वाले अंदाज़ में पूछा, और क्या? जब मोदी चुप रहे, तो बाबा ने बताया कि 2014 का लोकसभा चुनाव इतिहास में अनोखा था, क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर एक नया चेहरा पहले ही घोषित कर दिया गया था। भारतीय जनता पार्टी को मिला लोगों का अपार समर्थन केवल उनकी पार्टी के लिए नहीं था, बल्कि यह लोगों का नरेन्द्रक मोदी को भारत का प्रधानमंत्री बनाने के लिए सीधा जनादेश था। दूसरे चुनावों के विपरीत, जहाँ प्रधानमंत्री का चेहरा या तो मान लिया जाता है पर आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं किया जाता; या परंपरा के अनुसार नवनिर्वाचित सांसद उनका चुनाव करते हैं; या यह गठबंधन के गणित से तय होता है और यह प्रक्रिया चुनाव के बाद होती है। मोदी से पहले डॉ. मनमोहन सिंह, जो कभी जन-नेता नहीं रहे, उन्हें तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने चुना था। भारत के दो प्रधानमंत्री, पी.वी. नरसिम्हा राव और एच.डी. देवेगौड़ा - तो प्रधानमंत्री बनने के समय संसद के सदस्य भी नहीं थे। सरल शब्दों में कहें तो, प्रधानमंत्री का चुनाव वरिष्ठ राजनेता करते थे। 2014 भारतीय राजनीति के चुनावी समीकरणों में एक बहुत बड़ा बदलाव था, जहां देश की जनता ने नरेन्द्रा मोदी को लगभग राष्ट्रपति चुनाव की ही तरह, स्पष्ट रूप से और बिना किसी संदेह के अपना प्रधानमंत्री चुना।

उल्लेनखनीय है कि 2014 से पहले नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय राजनीति में नए थे। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर अपने लंबे कार्यकाल के दौरान अपनी एक विशिष्टप पहचान बनाई थी, लेकिन 2014 उनका पहला लोकसभा चुनाव था। यह एक अनोखी बात है कि पहली बार सांसद बनने वाले व्यक्ति ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार संसद भवन में प्रवेश किया। (पुरानी) संसद की सीढ़ियों पर प्रणाम करने का उनका भावुक कदम हृदय को छू लेने वाला ऐसा क्षण था, जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में अपनी जगह बना ली।

चुनाव में विजय का कभी भी कोई एक कारण नहीं होता; यह कई कारकों से जुड़ी एक जटिल प्रक्रिया है। भाजपा का ज़मीनी स्तर पर मज़बूत संगठन, अलग-अलग जातियों और समुदायों तक लगातार पहुँचने की रणनीति, अपनी गलतियों को शीघ्र पहचानना और तुरंत सुधार करने की इच्छाशक्ति — ये कुछ ऐसी मुख्य बातें हैं जिन्होंने विद्यमान भाजपा को चुनाव जीतने वाली एक ऐसी शक्ति बना दिया है, जिसे वर्तमान में रोक पाना दुष्कार लगता है। हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नरेन्द् मोंदी का चेहरा शायद भाजपा का सबसे मज़बूत ट्रंप कार्ड है। लोग उनमें एक ऐसा मज़बूत नेता देखते हैं, जो अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर आगे बढ़ा है, न कि कांग्रेस की तरह वंशवादी विरासत या परिवार-शासित क्षेत्रीय पार्टियों की मज़बूत पकड़ के कारण।

एक तरह से नरेन्द्र मोदी भाजपा के पर्याय बन गए हैं। मैं हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बारे में बंगाल के मित्रों के साथ हुई कुछ बातचीत का उल्लेनख करना चाहूंगी। जहां मेरे अपने रिश्तेदार अभी भी कांग्रेस के कट्टर समर्थक हैं और बंगाल में कांग्रेस को मिले मामूली 2.9 प्रतिशत वोट शेयर में उनका भी योगदान था, वहीं मेरे अधिकतर दोस्तों और परिचितों ने भाजपा को वोट दिया था। चुनाव से पहले, मैं उनसे पूछती थी कि वे किस पार्टी को वोट देंगे। अधिकतर लोगों का उत्तर यही होता था कि वे मोदी को वोट देंगे। मैं उन्हें याद दिलाती थी कि यह विधानसभा चुनाव है और मोदी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उनका उत्तर हमेशा यही होता था—ओई एक-ई व्यापार—यानी बात एक ही है।

नरेन्द्रु मोदी न केवल देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री हैं, बल्कि शायद स्वीतंत्रता के बाद देश ने जितने भी प्रधानमंत्री देखे हैं, उनमें से वे सबसे मज़बूत नेताओं में से एक हैं। वे गठबंधन सरकारों, जो अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए दूसरों पर निर्भर रहती हैं, के उन व्यांवधानों (अक्सर ब्लैकमेल करने वाले तरीकों) का शिकार हुए बिना एक मज़बूत और स्थिर सरकार देने में सफल रहे हैं। कोई उनकी कई नीतियों या काम करने के तरीके से असहमत हो सकता है और लोकतंत्र में ऐसा होना बिल्कुल सामान्य बात है; लेकिन कोई भी उनके करिश्मे और आकांक्षी भारत के लिए प्रेरणा के तौर पर भारतीय मतदाताओं के साथ उनके जुड़ाव को नकार नहीं सकता। यह बात 2019 और फिर 2024 में भी स्पयष्ट रूप से दिखी। आप नरेन्द्रर मोदी को पसंद करें या नापसंद, लेकिन आप ब्रांड मोदी की अनदेखी नहीं कर सकते। बड़ी ताक़त के साथ बड़ी ज़िम्मेदारी भी आती है। एक आम नागरिक के रूप में, मैं प्रार्थना करती हूँ कि वे लोगों से प्राप्तर भारी जनादेश के साथ पूरा न्याय करें और हमारे देश को और भी ऊंचाइयों तक ले जाएँ।

(लेखिका एक स्तम्भोकार हैं और प्रणब माय फादरः अ डॉटर रिमेंबर्स पुस्तीक की लेखिका हैं। वह वर्तमान में प्रणब मुखर्जी लिगेसी फाउंडेशन की संचालक हैं।)

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। मोबाइल एसेसरीज का काम कर रहे लोग अपना काम बढ़ाने का प्लान बनायेंगे। बेहतर होगा किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले। इंजीनिरिंग कर रहे छात्रों को परीक्षा के अच्छे अंक हासिल होंगे। नवविवाहित दंपत्ति आज शॉपिंग पर जायेंगे। जॉब की तालाश ख़त्म होगी।

वृष राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर के बड़ों से आगे बढ़ने लिए की महत्वपूर्ण राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। लेखन कार्य से जुड़े व्यक्ति की बुक आज पब्लिश होगी जिसके लिए उसको अवार्ड मिलेगा। आज आप अपने आपको फिट एंड फाइन रखने के लिए एक्सरसाइज करें। लेखकों की किताब आज पब्लिश होगी, जो लोगों को काफी पसंद आयेगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप किसी ख़ास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे, परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। इलेक्ट्रोनिक व्यापारियों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आज आय के नये-नये स्त्रोत भी आपको मिलेंगे। आज आप पूरे दिन ऊर्जा से भरे रहेंगे। आज अनावश्यक उलझन लेने से बचने का प्रयास करें। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया से भरा रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। आज स्वजनों से स्नेह बढेगा। आज खान पान में रूचि बढ़ेगी। जो लोग कम्पूटर कोर्स ज्वाइन करना चाहते हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। कारोबारियों का काम पहले से बेहतर चलेगा। आपकी सेल में बढ़ोतरी होगी। बच्चों के साथ आज अपना समय बितायेंगे। लवमेट में हुयी गलत फहमियां आज दूर होंगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज जानकार लोगों की सलाह मिलेगी। रियल स्टेट के कारोबारियों की आज प्रॉपर्टी अच्छे दाम पर सेल हो सकती है। अगर आप वाहन लेना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आपके मनचाहे कार्यों की पूर्ति होगी। आज घर में किसी बात को लेकर हर्षोल्लास का माहौल बन सकता है।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज अपने प्रोजेक्ट समय पर पूरा कर लेना चाहिए। आज आपका सामाजिक दायरा काफी हद तक बढ़ सकता है। दैनिक कार्यों में आपको पूर्ण रूप से सफलता मिलेगी। व्यापारिक दृष्टि से आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है, कार्य की गति बढ़ेगी।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आपके भौतिक सुख-साधनों में बढ़ोतरी होगी। छात्रों के लिये आज का दिन शानदार रहने वाला है। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। किसी कठिन परिस्थिति में आपको कुछ लोगों से आसानी से मदद मिल जायेगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। आज जिस भी क्षेत्र में आप मेहनत करेंगे, उसमे सफलता अवश्य मिलेगी। आज बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें उन्हें दवाइयां समय पर दें। आज आपको कुछ धार्मिक कार्य करने का मौका मिल सकता है, पूरे दिन मन अध्यात्म में लगा रहेगा। आज आप दोस्तों के साथ खूब इंजॉय करेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको नया व्यापार शुरू करने का मौका मिलेगा। किसी काम के लिये कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आज आपको मिलेगा। आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा। परिवार में किसी सदस्य को सफलता मिलने से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे पारिवारिक माहौल खुशनुमा हो जाएगा। जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो भी प्रयास करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी। आज आपको बिजनेस में बड़ी सफलता मिलने के योग दिख रहे हैं। परिवार में वरिष्ठ सदस्यों के साथ आप कहीं घूमने जाने की योजना बना सकते हैं।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको किसी व्यक्ति के कहने में आकर निर्णय लेने से बचना चाहिए। आज आप किसी काम को करने से पहले उसके लिए सोच विचार अवश्य करें। आज आप अपनी आय को बढ़ाने के लिये कुछ नया प्लान बनायेंगे। कहीं निवेश करना चाहते है तो किसी अनुभवी की सलाह जरूर ले लें।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आज आप अपने रुके हुए कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप अपनी उस एनर्जी को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चों के लिए आज आप उपहार लेकर आ सकते हैं।

मोदी की व्यापार दृष्टि ने भारत को बदलने के लिए विश्व-स्तर पर अवसरों के द्वार खोले

पीयूष गोयल

यूके के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौता, जो 15 जुलाई से लागू होगा, भारतीय किसानों, एमएसएमई, मछुआरों, स्टार्टअप और कारीगरों के लिए वैश्विक अवसर और समृद्धि लाएगा। यह नौकरियां सृजित करेगा और भारतीय नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सामान को उचित कीमतों पर उपलब्ध कराएगा, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत और यूके के बीच परिवर्तनकारी व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय वस्तुओं के लिए यूके में सभी क्षेत्रों में, विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों में, व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद यह समझौता लगभग 100त्न व्यापार मूल्य को शामिल करते हुए लगभग 99त्न टैरिफ लाइनों पर तुरंत शुल्क समाप्त करेगा, जिससे भारतीय निर्यात के लिए अपार अवसर सृजित होंगे। सीईटीए एक जन-केंद्रित समझौता है, जिस पर पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये गये थे। यह समाज के हर हिस्से को फायदे देता है। किसानों को अपने घरेलू हितों से समझौता किए बिना उच्च मूल्य वाले निर्यात बाजारों तक पहुंच मिलेगी। मछुआरों को विशाल यूके बाजार में अधिक सीफ़ूड निर्यात से फायदा मिलेगा। श्रमिकों को श्रम-गहन क्षेत्रों में नई नौकरियों के अवसर मिलेंगे। महिला उद्यमी, युवा, स्टार्टअप्स और एमएसएमई को वैश्विक मूल्य-श्रृंखला तक बेहतर पहुँच मिलेगी। पेशेवरों को बेहतर आवागमन और मान्यता के अवसरों से फायदा मिलेगा।

किसानों के लिए समृद्धि : सीईटीए भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम यूके बाजार खोलता है, जो दूसरे यूरोपीय देशों को मिलने वाले फायदों के बराबर या उनसे भी बेहतर है। हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत सामान जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को शुल्की-मुक्त पहुँच प्राप्त होगा। उच्च कृषि निर्यात से किसानों की आय बढ़ेगी और गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन के लिए और प्रोत्साहन मिलेगा। यह कृषि मूल्य श्रृंखला में कई नौकरियाँ भी पैदा करेगा। साथ ही, सीईटीए घरेलू किसानों - खासकर डेयरी उत्पाद, खाद्यान्न, मोटे अनाज, सेब, ओट्स और खाद्य तेल से जुड़े किसानों - की सुरक्षा के लिए भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को अपने दायरे से बाहर रखता है। इन्हें समझौते से बाहर रखना, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषि समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को प्रतिबिंबित करती है।

उद्योग को बढ़ावा : यूके के विशाल बाजार तक तुरंत शुल्क-मुक्त पहुंच भारतीय निर्माण को बढ़ावा देगी, जिससे पारंपरिक कारीगर, बड़े कारखाने और क्षेत्रीय औद्योगिक केंद्र प्रभावी तरीके से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। छोटे व्यवसायों को फायदा होगा, क्योंकि भारतीय उत्पादों को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धा से जुड़ी स्पष्ट बढ़त मिलेगी। फुटबॉल, क्रिकेट गियर, रग्बी बॉल और खिलौने बनाने वाली कंपनियां, अन्य उत्पादों के साथ-साथ, यूके में अपने व्यवसाय को काफी विस्तार देने में सक्षम होंगी। शुल्कों को हटाने से खासकर श्रम-सघन क्षेत्रों में लंबे समय से चल रही टैरिफ बाधाओं का समाधान हुआ है, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धा और पैमाने में तुरंत लाभ होने की उम्मीद है। तिरुपुर के करघों से लेकर बेंगलुरु की लैब तक, सूरत के हीरे के कारीगरों से लेकर हैदराबाद के कोडर्स तक, यह समझौता असली अर्थव्यवस्था को छूता है।

सेवाएँ और पेशेवरः यूके ने सेवा क्षेत्र में अब तक की अपनी सबसे व्यापक प्रतिबद्धताओं में से एक प्रदान किया है, जिसमें भारत की निर्यात रुचि के सभी प्रमुख सेवा क्षेत्रों और 137 उप-क्षेत्रों को शामिल किया गया है। बेहतर बाजार पहुंच और नियामक सुनिश्चितता भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में सहायता करेगी। भारत ने कुशल पेशेवरों के लिए अनुकूल आवागमन प्रावधान सुनिश्चित किए हैं, जिनमें संविदा सेवा प्रदाता, व्यापार यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीताकार और रसोइये शामिल हैं। इस समझौते में व्यापार आगंतुक, कर्मचारियों का अंतर-कॉर्पोरेट तबादला, संविदा सेवा आपूर्तिकर्ता, स्वतंत्र पेशेवर और निवेशकों के लिए भी पूर्वानुमान योग्य आवागमन उपाय प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा, इस समझौते के तहत 1,800 भारतीय रसोइये, योग प्रशिक्षक और शास्त्रीय संगीतकार हर साल समर्पित आवागमन अवसरों का लाभ उठा सकेंगे।

नवोन्मेएफटीए : पीएम मोदी के नेतृत्व में, एफटीए सिर्फ वस्तुएं और सेवाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्होने नए मानक स्थापित किये हैं। ईएफटीए देशों—स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन—के साथ, भारत ने 100 बिलियन डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की, जिससे प्रत्यक्ष रोजगार के एक मिलियन अवसरों के सृजन की उम्मीद है। न्यूज़ीलैंड के साथ एफटीए में, देश ने 15 साल में 20 बिलियन डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की, जबकि ऑस्ट्रेलियाई एफटीए ने उस दोहरी कर-व्यवस्था की समस्या को सुलझा दिया, जिससे भारतीय आईटी कंपनियां समस्याओं का सामना करती थीं। यूके के साथ समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरा योगदान सिद्धांत। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीए के साथ प्रभावी होगी, भारतीय कर्मचारियों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-उत्तरदायित्व (असाइनमेंट) के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान देने से मुक्त करती है। 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को अस्थायी विदेशी कार्य-उत्तरदायित्व पर कर्मचारियों के लिए लगातार सामाजिक सुरक्षा कवरेज से फायदा मिलने की उम्मीद है।

सरकार की रणनीतिः 2014 में अर्थव्यवस्था संघर्ष कर रही थी और संभावित निवेशकों का भरोसा टूट रहा था। भारत को उन "कमजोर पांच" अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था, जो नीतिगत भटकाव और भारी भ्रष्टाचार घोटालों से जूझ रही थीं। मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास बहाल करने और इसे निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक सुदृढ़ दृष्टिकोण अपनाया। विकसित देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना अगला कदम था। एफटीए व्यापार नीतियों के संबंध में अनिश्चितता को कम करके निवेशकों का भरोसा भी बढ़ाते हैं। सरकार ने ऐसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ एफटीए किये, जो बड़े बाजार प्रदान करती हैं और भारत के प्रमुख व्यापार हितों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा नहीं करतीं। इससे दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद स्थिति बनती है, जो पिछली सरकार के उस दृष्टिकोण से अलग है, जिसमें भारतीय व्यवसायों को जोखिम में डालते हुए देश के दरवाजे प्रतिद्वंद्वियों के लिए लापरवाही से खोल दिए गए थे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत को अब एक मजबूत अर्थव्यवस्था और अस्थिर विश्व में एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वैभव सूर्यवंशी के समर्थन में उतरे वेंगसरकर

▪ बोले- यह युवा खिलाड़ी लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की पहचान बनेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। क्रिकेट प्रशंसकों का एक बड़ा वर्ग मान रहा है कि यदि वैभव को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता तो मुकाबले का परिणाम अलग हो सकता था। इसी बीच भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य चयनकर्ता दिलीप वेंगसरकर ने भी युवा बल्लेबाज की प्रतिभा पर भरोसा जताते हुए कहा है कि वैभव भविष्य में भारतीय क्रिकेट के लिए लंबे समय तक अहम भूमिका निभा सकते हैं। दिलीप वेंगसरकर का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपनी क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार, युवा बल्लेबाज में बड़े स्तर पर सफल होने की पूरी योग्यता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी खिलाड़ी का वास्तविक आकलन लंबे प्रारूप में प्रदर्शन के आधार पर होता है, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वैभव टेस्ट क्रिकेट में खुद को किस तरह साबित करते हैं।

वेंगसरकर ने आधुनिक क्रिकेट और अपने दौर के खेल में अंतर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके समय में बल्लेबाजों को केवल सीधे बल्ले से वी क्षेत्र में और जमीन पर शॉट खेलने की सीख दी जाती थी, जबकि आज टी20 और अन्य सीमित ओवरों के प्रारूपों ने बल्लेबाजी की शैली पूरी तरह बदल दी है। उनका मानना है कि नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को अलग तरह की कोचिंग मिल रही है, जिससे वे मैदान के हर हिस्से में आक्रामक शॉट खेलने में सक्षम बन रहे हैं। पूर्व मुख्य चयनकर्ता का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि भारतीय क्रिकेट में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का उनका लंबा अनुभव रहा है। वर्ष 2006 से 2008 के बीच चयन समिति के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में मौका दिया था। इसी दौर में उन्होंने युवा विराट कोहली जैसी प्रतिभाओं का खुलकर समर्थन किया था और भारतीय टीम में नए खिलाड़ियों को अवसर देने की नीति पर जोर दिया था। उधर, वैभव सूर्यवंशी के अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को लेकर भी उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिल सकी, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में टीम प्रबंधन उन्हें अवसर दे सकता है। यदि ऐसा नहीं होता है, तो 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला उनके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने का अगला बड़ा मौका बन सकती है। भारतीय क्रिकेट में नई प्रतिभाओं को लेकर लगातार चर्चा हो रही है और वैभव सूर्यवंशी को भविष्य का बड़ा सितारा माना जा रहा है। ऐसे में दिलीप वेंगसरकर जैसे अनुभवी क्रिकेटर का समर्थन इस युवा बल्लेबाज के लिए न केवल बड़ा विश्वास है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि आने वाले समय में वह भारतीय टीम की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड

3 साल बाद वापसी भी नहीं बदल सकी किस्मत

एजेंसी, नई दिल्ली

लगभग तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के लिए यह वापसी किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वह बेहद महंगे साबित हुए और अपने नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा बैठे, जो अब तक दुनिया का कोई भी गेंदबाज नहीं बना पाया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने 26 जून को आयरलैंड के खिलाफ चार ओवर में 57 रन खर्च किए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था, जहां उनके चार ओवर में 68 रन बने थे। इस तरह लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने कुल 125 रन लुटा दिए, जो इस प्रारूप में किसी भी गेंदबाज द्वारा लगातार दो मुकाबलों में खर्च किए गए सबसे अधिक रन हैं। बेलफास्ट में कृष्णा की गेंदबाजी शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आई। कप्तान श्रेयस अय्यर ने उन्हें 17वां ओवर सौंपा, लेकिन यह फैसला भारत पर भारी पड़ गया। उस ओवर में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने 27 रन बटोर लिए। यह ओवर अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आयरलैंड के खिलाफ किसी भारतीय गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर बन गया है। आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वह अपनी लेंथ और लाइन पर नियंत्रण नहीं रख सके। उनकी गेंदों का आयरिश बल्लेबाजों ने जमकर फायदा उठाया और भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बना दिया।

मैच की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत पर आयरलैंड की पहली जीत भी रही। अब दूसरे मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन की नजरें गेंदबाजी संयोजन पर रहेंगी और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

कप्तान श्रेयस अय्यर बोले- अब कोई भी मुकाबला हल्के में नहीं लेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 34 रन की अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यह परिणाम निराशाजनक जरूर है, लेकिन इससे टीम को महत्वपूर्ण सीख भी मिली है। कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में हार का सामना करने वाले अय्यर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अब इस अनुभव से सबक लेकर अगले मुकाबले में पूरी तैयारी और नए आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेने की गलती दोबारा नहीं करेगी। बेलफास्ट में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्विंग तथा सीम मूवमेंट का बेहतरीन फायदा उठाकर शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि मध्य ओवरों में टीम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी, जिसका फायदा आयरलैंड के बल्लेबाजों ने उठाया। अय्यर ने माना कि भारतीय गेंदबाजों ने विरोधी बल्लेबाजों को सीधे मैदान की ओर खुलकर शॉट खेलने का अवसर दिया, जबकि टीम को पहले से पता था कि उस दिशा की बाउंड्री अपेक्षाकृत छोटी है। उन्होंने कहा कि यदि शुरुआती दबाव को अंत तक बनाए रखा जाता तो आयरलैंड का स्कोर लगभग 140 रन के आसपास सीमित किया जा सकता था।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शिवम दुबे ने रचा नया कीर्तिमान

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेले गए पहले टी20 मुकाबले के दौरान उन्होंने अपने करियर के 1000 रन पूरे किए। पारी का नौवां रन बनाते ही उन्होंने इस खास मुकाम को हासिल किया और सबसे कम गेंदों में 1000 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले भारत के तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने हार्दिक पंड्या और संजू सैमसन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। शिवम दुबे ने 1000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए केवल 648 गेंदों का सामना किया। इससे पहले हार्दिक पंड्या और संजू सैमसन दोनों ने इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 679-679 गेंदें खेली थीं। भारत की ओर से सबसे कम गेंदों में 1000 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम है, जिन्होंने महज 528 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। दूसरे स्थान पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 573 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे। अब इस सूची में तीसरे स्थान पर शिवम दुबे का नाम दर्ज हो गया है।

हार के बीच भी अभिषेक शर्मा ने रचा विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भले ही भारतीय टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया, जो अब तक टी20 क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी नहीं बना सका था। बेलफास्ट में खेली गई उनकी तूफानी पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इतिहास रच दिया और फुल मेंबर देशों की ओर से खेलते हुए टी20 क्रिकेट में 20 या उससे कम गेंदों में पांच बार अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने इस उपलब्धि के साथ कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले युवराज सिंह, डेविड वॉर्नर, फिल साल्ट, कॉलिन मुनरो, दासुन शनाका और फिन एलन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में केवल तीन-तीन बार ही 20 या उससे कम गेंदों में अर्धशतक लगाने का कारनामा कर पाए थे। अभिषेक ने पांचवीं बार यह उपलब्धि हासिल कर इस सूची में सबसे ऊपर अपना नाम दर्ज करा लिया। आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक शुरू से ही आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों पर बेखौफ होकर प्रहार किए और केवल 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

बिजनेस

जीआई टैग वाले रीवा सुंदरजा आम की पहली व्यावसायिक खेप भेजी गई यूएई

एजेंसी, नई दिल्ली

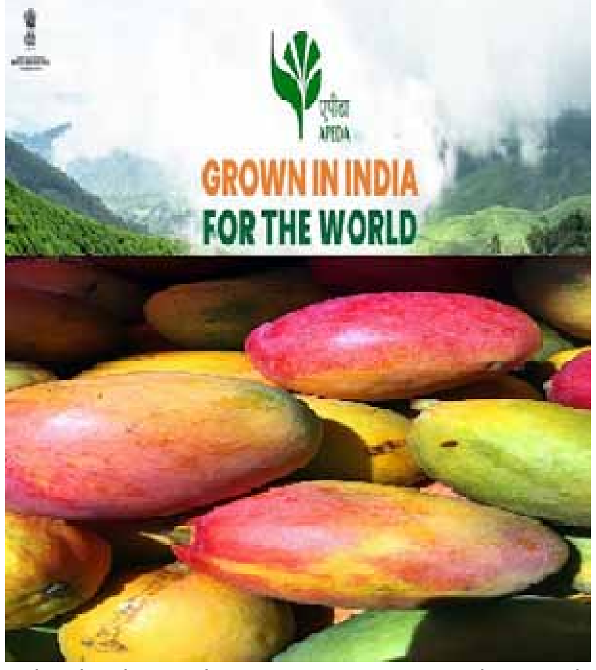

मध्य प्रदेश के जीआई-टैग प्राप्त प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आम की पहली व्यावसायिक खेप संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को भेजी गई है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने इस निर्यात को सुगम बनाया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि एक मीट्रिक टन प्रीमियम गुणवत्ता वाले जीआई टैग प्राप्त प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आम यूएई को निर्यात किया गया है। इसके साथ ही आमों का पहला व्यावसायिक निर्यात संयुक्त अरब अमीरात के लिए शुरू हो गया है। मंत्रालय ने कहा कि जीआई-टैग वाले प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आमों की एक मीट्रिक टन की पहली कमर्शियल खेप 26 जून को मेसर्स सॉल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भेजी गई। यह खास खेप रीवा सुंदरजा आम की अंतरराष्ट्रीय यात्रा की शुरुआत है, उम्मीद है कि इससे आने वाले सीज़न में नियमित निर्यात का रास्ता खुलेगा।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि इस व्यावसायिक निर्यात से रीवा इलाके के आम उत्पादकों को काफी आर्थिक फ़ायदा होने की उम्मीद है। जहां स्थानीय बाजार में रीवा के सुंदरजा आम की मौजूदा कीमत लगभग 100 से 110 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसको एक्सपोर्टर ने इसे 150 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से खरीदा। इस तरह 40 से 50 रुपये प्रति किलोग्राम का यह अतिरिक्त फ़ायदा सीधे किसानों को मिलता है, जो उत्पादकों को एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड वैल्यू चेन से जोड़ने के आर्थिक लाभ को दिखाता है। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल से रीवा के किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिलेगी, जिससे रीवा के आम उत्पादकों को लाभ मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत के विशिष्ट कृषि उत्पादों को नई पहचान मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि ग्लोबल मार्केट में भारत के खास कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक अहम कदम है। इस सफल एक्सपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्षेत्र-विशेष के कृषि उत्पादों की अलग पहचान बनाने में जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) रजिस्ट्रेशन के महत्व को उजागर किया।

भारत-ब्रिटेन साझेदारी अब व्यापार से आगे बढ़कर प्रौद्योगिकी, एआई, रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों तक विस्तारितः गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन साझेदारी अब व्यापार से आगे बढ़कर प्रौद्योगिकी, एआई, रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों तक विस्तारित हो रही है। गोयल ने लंदन में आयोजित 10वें वार्षिक ब्रिटेन-भारत सप्ताह के दौरान एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कई उच्चस्तरीय बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने 15 जुलाई, 2026 से लागू होने वाले भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) से उत्पन्न होने वाले नए अवसरों को रेखांकित किया।

पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में भारत-यूके सीईटीए के फ़ायदों का ज़्यादा से ज़्यादा लाभ उठाने में व्यवसायों की मदद करने के लिए पूरे भारत में एक हजार सलाहकार कर्मियों को तैनात करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत-ब्रिटेन साझेदारी अब पारंपरिक व्यापार से आगे बढ़कर प्रौद्योगिकी, संप्रभु कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा व स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तारित हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि यह विकसित होती साझेदारी दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग की बढ़ती गहराई और विविधता को दर्शाती है।

गोयल ने भारतीय पेशेवरों के लिए भारत और ब्रिटेन सीईटीए के लाभों को रेखांकित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि इस समझौते के तहत ब्रिटेन में कार्यरत पात्र भारतीय पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा अंशदान से 5 वर्ष तक की छूट मिलेगी। इससे वे इस बचत को भारत में ब्याज अर्जित करने वाले और कर-मुक्त भविष्य निधि खातों में निवेश कर सकेंगे। गोयल ने उप-राष्ट्रीय आर्थिक साझेदारियों को मजबूत बनाने के महत्व पर भी जोर दिया तथा बर्मिंघम-गुजरात और मैनचेस्टर-महाराष्ट्र सहित क्षेत्रीय साझेदारियों को भविष्य के द्विपक्षीय आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया। उल्लेखनीय है कि देश के अब तक के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के तौर पर भारत-ब्रिटेन सीईटीए से दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार में करीब 25.5 जीबीपी की वृद्धि होने का अनुमान है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तीन दिवसीय दौरे पर लंदन में हैं।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त गिरावट का रुख बना रहा। भाव में आई कमजोरी के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। चांदी भी आज के कारोबार में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक लुढ़क गई। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता रहा। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका। चांदी के भाव में भी गिरावट होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिकी। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,41,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,41,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.58 अरब डॉलर पर

एजेंसी, नई दिल्ली/मुंबई । आर्थिक मोंचे पर अच्छी खबर आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 जून को समाप्त हफ्ते में 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.58 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.98 अरब डॉलर घटकर 671.62 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 19 जून को समाप्त हफ्ते में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.63 करोड़ डॉलर (963 मिलियन डॉलर) की बढ़त के साथ 672.58 अरब डॉलर पर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.98 अरब डॉलर घटकर 671.62 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के अनुसार इस दौरान मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 3.07 अरब डॉलर घटकर 541.217 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.11 अरब डॉलर बढ़कर 107.93 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 5.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.647 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 19 जून को समाप्त हफ्ते के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित कोष 2.2 करोड़ डॉलर घटकर 4.79 अरब डॉलर रहा।

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने वाराणसी से पहली 'ईजी कनेक्ट' फ्लाइट लॉन्च की

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाराणसी से पहली 'ईजी कनेक्ट' उड़ान लॉन्च की है। ये पहल भारत का पहला हब-एंड-स्पोक अंतरराष्ट्रीय यात्रा मॉडल है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने 25 जून को वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत भारत की पहली 'ईजी कनेक्ट' उड़ान का शुभारंभ किया। यह भारत को एक वैश्विक विमानन केंद्र में बदलने और टीयर- 2 और टीयर-3 शहरों से यात्रियों को निर्बाध अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए सरकार के प्रयासों को दर्शाता है। इस अवसर पर नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, "आज हम हवाई यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और भविष्य के लिए तैयार, आत्मनिर्भर भारतीय विमानन उद्योग के निर्माण के अपने दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम आगे बढ़ा रहे हैं जो कुशल, समावेशी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी है।"

फिल्म

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने गाने हुआ से किया सिंगिंग डेब्यू, जुबिन नौटियाल के साथ जुड़ा नया म्यूजिक सफर

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने गाने हुआ के जरिए हिंदी संगीत की दुनिया में कदम रखा है। इस गाने में उन्होंने मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ काम किया है। इस बीच, उन्होंने इस नए सफर को लेकर बात की है और जुबिन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में खुलकर बताया। एलनाज नोरौजी ने कहा, संगीत हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है, लेकिन अब जाकर मुझे इसे पेशेवर रूप से अपनाने का मौका मिला है। जुबिन नौटियाल जैसे अनुभवी और लोकप्रिय गायक के साथ अपने पहले हिंदी गाने की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। जब किसी कलाकार का पहला कदम ही इतने बड़े और सम्मानित संगीतकार के साथ जुड़ता है, तो वह अनुभव यादगार बन जाता है। यह मेरे लिए नई रचनात्मक यात्रा की शुरुआत है। गाने हुआ के बारे में बात करते हुए एलनाज ने इसे अपने करियर का एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा, जीवन में कुछ ऐसे पल आते हैं, जो हमेशा याद रह जाते हैं और यह गाना उन्हीं में से एक है। यह सिर्फ एक म्यूजिक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मेरे दिल के बहुत करीब एक सपना है, जिसे मैंने लंबे समय तक संजोकर रखा था। जब कोई सपना धीरे-धीरे सच होता है, तो उसकी खुशी शब्दों से ज्यादा महसूस की जाती है, और यह गाना मेरे लिए वही एहसास लेकर आया है। एलनाज ने आगे कहा, भले ही मैं लंबे समय से अभिनय से जुड़ी रही हूं, लेकिन संगीत हमेशा मेरे अंदर कहीं न कहीं मौजूद था। जुबिन नौटियाल के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि उनकी आवाज में भावनाओं की गहराई और सच्चाई होती है। वह हर गाने को बहुत ईमानदारी और भावनाओं के साथ गाते हैं। इस मौके पर जुबिन नौटियाल ने भी एलनाज की तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कहा, एलनाज की आवाज काफी मधुर है। उनके अंदर मेहनत करने की लगन दिखाई देती है। उन्होंने इस गाने के लिए समर्पण के साथ काम किया है और मैं उनके इस नए सफर से बेहद खुश हूं। मैं इस गाने और एलनाज दोनों पर गर्व महसूस करता हूं और मुझे खुशी है कि यह गाना लोगों के दिलों तक पहुंच रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर कॉकटेल 2 ने 6वें दिन दिखाया दम, मैं वापस आऊंगा भी मजबूती से टिकी, पेद्दी ने तोड़ दिया दम

सिनेमाघरों में यूं तो साउथ से लेकर बॉलीवुड तक की कई फिल्मों दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए मौजूद हैं लेकिन इनमें शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 का दूसरी रिलीज़ फिल्मों के मुकाबले ठीक परफॉर्म कर पा रही है. सामंथा रूथ प्रभु की मा इंति बंगारम भी दम दिखा रही है, जबकि इम्तियाज़ अली की मैं वापस आऊंगा कुछ हद तक दर्शकों को खींचने में कामयाब हो रही है. चलिए यहां जानते हैं बुधवार, 24 जून 2026 को इनका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कितना रहा है? होमी अदजानिया निर्देशित रोमांटिक ड्रामा फिल्म कॉकटेल 2 की कमाई में वीकडेज में मंदी आई है. पहले दिन 13.50 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे दिन इसने16.25 करोड़ और तीसरे दिन 17.75 करोड़ कमाए थे. वहीं चौथे दिन इसने 6.75 और 5वें दिन 6.65 करोड़ कमाए वही सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कॉकटेल 2 ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 5 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इसकी भारत में 6 दिनों की नेट कमाई अब 66 करोड़ रुपये हो गई है.इम्तियाज़ अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने 1.15 करोड़ से ओपनिंग की थी. वहीं दूसरे सोमवार को फ़िल्म की कमाई में बड़ी गिरावट आई और इसने 2.50 करोड़ रुपये कमाए. लेकिन दूसरे मंगलवार इसने तेजी दिखाते हुए 3.10 करोड कमाए.अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मैं वापस आऊंगा ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 2.60 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इसकी 13 दिनों की भारत में कुल कमाई अब 32.45 करोड़ रुपये हो गई है.राम चरण की पेद्दी ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तीसरे हफ्ते में दम तोड़ दिया है. रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार तो इसके लिए चंद लाख कमाना भी मुश्किल हुआ.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक पेद्दी ने रिलीज के 21वे दिन यानी तीसरे बुधवार को 70 लाख रुपये कमाए हैं. इसके बाद इस फिल्म की 21 दिनों की कुल नेट कमाई अब 236.60 करोड़ रुपये हो गई है.मां इंटी बंगारम के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में पिछले दिन की तुलना में थोड़ी गिरावट देखी गई थी. पांचवें दिन फिल्म ने 3.50 करोड़ कमाए, जबकि चौथे दिन (पहले सोमवार) इसने 4.10 करोड़ कमाए थे. अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 2.50 करोड़ कमाए हैं. इसके बाद इसकी भारत में 6 दिनों की कुल नेट कमाई अब 33.20 करोड़ रुपये हो गई है.

मिर्जापुरः द मूवी का धमाकेदार टीजर रिलीज, रवि किशन और पंचायत के जितेंद्र की एंट्री ने मचाया भौकाल

इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है, और भौकाल अब पहले से कहीं ज्यादा बड़ा हो चुका है. मिर्जापुरः द मूवी का टीजर आ गया है, जिसने साल के सबसे मोस्ट-अवेडेट सिनेमैटिक इवेंट्स में से एक की पहली झलक दिखा दी है. पहली बार, मिर्जापुर की आइकॉनिक दुनिया ओटीटी से थिएटर्स का रुख कर रही है, जो अपने सिग्नेचर इंटेंसिटी, दमदार स्टोरीटेलिंग और बड़े पैमाने के साथ सिनेमाघरों में आ रही है. 2018 में सीजन 1 से शुरू हुई टाइमलाइन से जुड़े रहते हुए, यह फिल्म बड़े पर्दे के लिए तैयार की गई एक कमाल की अनसुनी कहानी के साथ इस सागा को और आगे बढ़ाती है. 4 सितंबर 2026 को रिलीज होने वाली यह फिल्म, फैन्स की इस पसंदीदा फ्रेंचाइजी को एक बिल्कुल नए थिएट्रिकल अवतार में पेश करने का वादा करती है. यह टीजर अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येंदु के साथ दर्शकों का मिर्जापुर की दुनिया में वापस स्वागत करता है, वहीं जितेंद्र कुमार बबलू पंडित के रोल में कदम रख रहे हैं, जिससे फैन्स का यह फेवरेट किरदार स्क्रीन पर वापस लौट आया है. इस सागा में रवि किशन भी शामिल हो रहे हैं, जिनकी दमदार नई प्रेजेंस मिर्जापुर यूनिवर्स में एक और दिलचस्प एंगल जोड़ती है. पूर्वांचल की गलियों से लेकर राजस्थान के रेगिस्तानों तक, यह सागा पहले से कहीं ज्यादा बड़ा रूप ले रहा है, जो अपनी इस ग्रिपिंग दुनिया और लार्जर-देन-लाइफ स्टोरीटेलिंग को हर रीजन के सिनेमाघरों में लेकर आ रहा है.इस स्टार-कास्ट को और बड़ा करते हुए, फिल्म में अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौर, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस चौहान शामिल हैं, जो मिर्जापुर की दुनिया के एक शानदार अनसुने चैप्टर को जीने के लिए एक साथ आए हैं.मिर्जापुरः द मूवी अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंटेड है. गुरमीत सिंह द्वारा डायरेक्टेड, पुनीत कृष्णा द्वारा रिटेन और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा प्रोड्यूस्ड और कासिम जगमागिया और विशाल रामचंद्रनी द्वारा को-प्रोड्यूस्ड, यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में एक भव्य रिलीज के लिए तैयार है. इस भौकाल को और भी बड़े ऑडियंस तक पहुँचाने के लिए, मिर्जापुरः द मूवी को हिंदी और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा.

क्या कम हो रही है आपकी सुनने की क्षमता? शरीर पहले ही देने लगता है ये संकेत

सुनने की क्षमता कम होना केवल बढ़ती उम्र की समस्या नहीं है। आज के समय में तेज शोर, लंबे समय तक ईयरफोन का इस्तेमाल, कुछ बीमारियां और जीवनशैली से जुड़ी कई चीजें लोगों की सुनने की क्षमता पर असर डाल रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सुनने की समस्या अक्सर धीरे-धीरे शुरू होती है। शुरुआत में व्यक्ति को लगता है कि आसपास बहुत शोर है या सामने वाला साफ नहीं बोल रहा, लेकिन असल में यह सुनने की क्षमता में आ रही कमी का संकेत हो सकता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग सालों तक इस समस्या को पहचान नहीं पाते और जब तक इलाज के बारे में सोचते हैं, तब तक परेशानी काफी बढ़ चुकी होती है। वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, कान आवाज सुनने के साथ-साथ मस्तिष्क तक सही जानकारी पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सुनने की क्षमता कम होने लगती है तो व्यक्ति बातचीत को समझने और लोगों से जुडने में मुश्किल होती है। लंबे समय तक सुनने की समस्या को नजरअंदाज करने से तनाव, अकेलापन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों का खतरा बढ़ता है।

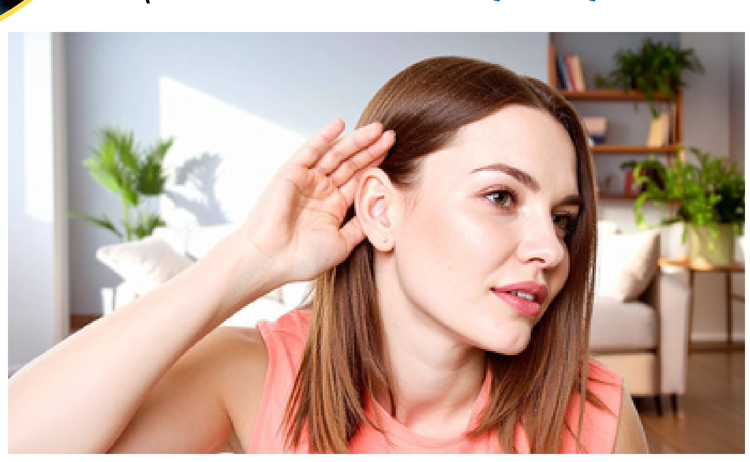

विशेषज्ञों के अनुसार, सुनने की क्षमता कम होने का पहला संकेत होता है कि कई बार लोग आवाज तो सुन लेते हैं, लेकिन शब्दों को ठीक तरह से समझ नहीं पाते। खासकर ऐसी जगहों पर जहां बहुत सारे लोग एक साथ बात कर रहे हों या आसपास शोर हो, वहां बातचीत समझना मुश्किल लगने लगता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुनने की क्षमता में शुरुआती कमी अक्सर ऊंची आवृत्ति वाली आवाजों को प्रभावित करती है। ऐसे में कुछ शब्द या अक्षर साफ सुनाई नहीं देते, जिससे बातचीत अधूरी लगती है।

एक और सामान्य संकेत बार-बार लोगों से बात दोहराने के लिए कहना है। जब यह स्थिति ज्यादा बार होने लगे, तब इसे गंभीरता से लेना चाहिए। कई मामलों में परिवार के सदस्य या करीबी लोग सबसे पहले इस बदलाव को महसूस करते हैं।

सुनने की क्षमता में कमी का एक और संकेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आवाज बढ़ाना भी माना जाता है। अगर किसी व्यक्ति को टीवी, मोबाइल या रेडियो की आवाज पहले की तुलना में ज्यादा तेज रखनी पड़ रही है, तो यह कानों की बदलती क्षमता का संकेत हो सकता है। चूंकि यह बदलाव धीरे-धीरे होता है, इसलिए कई लोगों को इसका एहसास नहीं होता। फोन पर बातचीत के दौरान होने वाली परेशानी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमने-सामने बात करते समय हम सामने वाले के चेहरे के भाव, होंठों की गतिविधि और शारीरिक भाषा से भी अर्थ समझ लेते हैं। लेकिन फोन पर केवल आवाज ही सहारा होती है। इसलिए सुनने की क्षमता में थोड़ी सी कमी भी फोन पर बातचीत के दौरान आसानी से महसूस हो सकती है। अगर फोन पर बातें समझने में लगातार मुश्किल हो रही है, तो यह जांच कराने का संकेत हो सकता है। इसके अलावा कानों में लगातार घंटी, सीटी या भनभनाहट जैसी आवाज सुनाई देना भी एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है। मेडिकल साइंस में इस स्थिति को टिनिटस कहा जाता है। यह कई बार कानों या सुनने की प्रणाली में हो रहे बदलाव का संकेत होता है। यदि ऐसी आवाजें लंबे समय तक बनी रहें, तो विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी हो जाता है।

असली पहचान आत्मविश्वास और मूल्यों से आती है : शिल्पा शिंदे

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में फेमिनिज्म और आधुनिकता की बदलती अवधारणाओं पर अपनी राय साझा की, जो इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों तक बहस का एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में शिल्पा ने कहा कि उनके लिए सच्ची पहचान बाहरी दिखावे, कपड़ों या जीवनशैली से कहीं अधिक गहरी है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास, मजबूत मूल्यों और खुद को गहराई से समझने की क्षमता से उपजी है। उनका मानना है कि कोई महिला क्या पहनती है या कैसे दिखती है, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि वह अपने जीवन और अपने विचारों को कितनी स्पष्टता और ईमानदारी से जीती है।

इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने स्वीकार किया कि उनकी सोच कुछ हद तक पारंपरिक है। उन्होंने बेबाकी से कहा, यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धूम्रपान या किसी विशेष जीवनशैली को आधुनिकता का पैमाना मानना गलत है। उनके अनुसार, कोई आदत किसी व्यक्ति के आधुनिक होने का प्रमाण नहीं हो सकती। शिल्पा ने बताया कि उनके लिए आधुनिकता का अर्थ कहीं अधिक व्यापक और व्यक्तिगत है। वह मानती हैं कि सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या तथाकथित आधुनिक कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता। असली बोल्डनेस व्यक्ति के विचारों में मजबूती, अपने फैसलों को समझने की क्षमता और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने में निहित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बाहरी दिखावा और व्यक्ति का असली व्यक्तित्व दो अलग-अलग पहलू हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं।अभिनेत्री ने कपड़ों और सोच के बीच के संबंध को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की मानसिकता उसके पहनावे से तय नहीं होती। एक महिला साड़ी पहनकर भी बेहद आधुनिक और प्रगतिशील सोच रख सकती है, जबकि कोई आधुनिक कपड़े पहनकर भी पुराने विचारों वाला हो सकता है। इसलिए, शिल्पा के अनुसार, किसी को उसके कपड़ों के आधार पर आंकना बिल्कुल अनुचित है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत पसंद बताते हुए कहा कि उन्हें साड़ी पहनने वाली महिलाएं ज्यादा आकर्षित करती हैं, लेकिन यह उनकी अपनी फैशन पसंद है, न कि किसी की सोच का पैमाना।

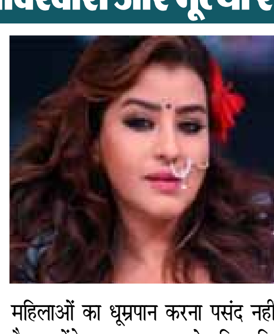

अगर खो जाऊं, तो मुझे शिखर के पास पहुंचा देनाः जाह्नवी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है और उनकी रोमांटिक अदाओं की हर तरफ चर्चा हो रही है। उनकी एक बेहद कूल और अनोखी तस्वीर सामने आई है, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। एक इंस्टाग्राम पेज पर जाह्नवी कपूर की एक नई तस्वीर साझा की गई, जिसमें वह बेहद स्टाइलिश गुलाबी रंग के नाइटसूट और ग्रे जैकेट में नजर आ रही थीं। लेकिन इस तस्वीर में सबसे खास बात उनका कस्टमाइज्ड नाइटसूट था, जिस पर एक मजेदार और बेहद प्यारा मैसेज प्रिंटेड था।

\ जाह्नवी के इस आउटफिट पर साफ तौर पर लिखा था, 'अगर मैं खो जाऊं, तो प्लीज मुझे शिखर पहाड़िया के पास वापस पहुंचा देना।' यह मैसेज देखते ही सोशल मीडिया पर फैंस जाह्नवी के इस रोमांटिक अंदाज के दीवाने हो गए। यह तस्वीर सामने आते ही तुरंत वायरल हो गई और लोग इस पर जमकर कमेंट्स करने लगे। जाह्नवी कपूर के इस खुलेआम इजहार-ए-मोहब्बत पर उनके फैंस और फॉलोअर्स भी दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'यह बहुत ही प्यारा है', जबकि दूसरे ने इसे 'कितना क्यूट' बताया। कई फैंस तो इसे 'रिलेशनशिप गोल्स' तक कहने लगे। जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया पिछले काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, दोनों ने आधिकारिक तौर पर कभी भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन वे अक्सर सोशल मीडिया और सार्वजनिक स्थानों पर इशारों-इशारों में अपने प्यार का इजहार करते रहते हैं। इससे पहले भी जाह्नवी कपूर को शिखर पहाड़िया के नाम का कस्टमाइज्ड नेकलेस पहने हुए देखा गया था, जो उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों को और हवा देता था। वहीं, शिखर भी जाह्नवी की तस्वीरें अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा करते रहते हैं। पिछले साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में जब जाह्नवी अपनी फिल्म 'होमबाउंड' के प्रीमियर के लिए रेड कार्पेट पर उतरी थीं, तब शिखर भी उनके साथ वहां मौजूद थे, जिसने उनके रिश्ते की गंभीरता को और पुख्ता कर दिया था। शिखर पहाड़िया, बिजनेसमैन संजय पहाड़िया और स्मृति संजय शिंदे के बेटे हैं। उनके नाना, सुशील कुमार शिंदे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। शिखर की मां स्मृति, सुशील कुमार शिंदे की बेटी हैं। जाह्नवी और शिखर का रिश्ता कोई नया नहीं है, बल्कि दोनों का कनेक्शन सालों पुराना है। खबरों की मानें तो उन्होंने पहली बार साल 2016 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। हालांकि, साल 2018 में जब जाह्नवी ने फिल्म 'धड़क' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया, तो उसके कुछ समय बाद दोनों की राहें जुदा हो गई थीं और इनका ब्रेकअप हो गया था। इसके बाद काफी समय तक दोनों अलग रहे, लेकिन साल 2023 में इनके पैचअप की खबरें तब आने लगीं, जब दोनों को लगातार कई मौकों पर साथ देखा जाने लगा। तब से लेकर अब तक, जाह्नवी और शिखर को अक्सर बड़े इवेंट्स, फैमिली फंक्शन्स और मंदिरों में एक साथ दर्शन करते हुए स्पॉट किया जाता है। दोनों की यही बढ़ती नजदीकियां फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी रहती हैं। जाह्नवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म 'पेद्दी' में राम चरण के साथ नजर आईं, जो बुच्ची बाबू सना के निर्देशन में बनी है।

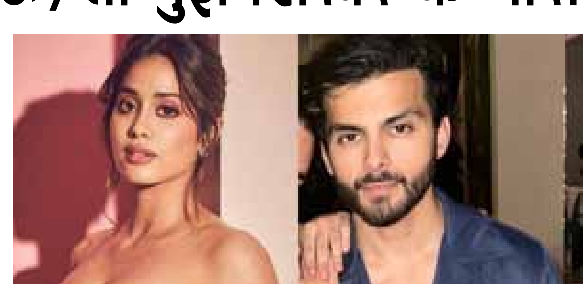

Drone drug trafficking cases up 100-fold in 5 years

New Delhi, Agency: The skies are the new frontiers in India's war on drugs, as a 100-fold jump in drone trafficking incidents over the last five years has forced security agencies to confront a highly sophisticated, tech-empowered threat.

The annual Narcotics Control Bureau (NCB) data of 2025, unveiled by Union home minister Amit Shah, reveals a record 305 dronerelated cases yielding 468 kg of high-purity contraband, turning the skies above Punjab into the theatre of a rapidly evolving multi-front crisis.

This represents a staggering 98% increase in contraband quantity over the previous year and a massive 100-fold increase in drone incidents since 2021, when only three cases were registered. The India-Pakistan border remains the hub of this aerial onslaught, with Punjab single-handedly accounting for 298 of the 305 drone-related incidents, primarily involving high-purity heroin and methamphetamine.

Also, pharmaceutical drug diversion has experienced an overall 77% increase between 2021 and 2025. Yearly seizures peaked dramatically at 2,43,111 kg before settling down marginally at 2,37,390 kg. Punjab has become fertile ground for a dangerous "second wave" of substance abuse, leading all states with a massive seizure of 8,95,508 codeine-based cough syrup bottles alongside rampant illegal distribution of buprenorphine, tramadol andalprazolam.

While skies are increasingly monitored, traditional land-based smuggling via courier and postal networks continues to present a stubborn challenge; despite a stabilisation in case numbers to 174 incidents, the volume of seized contraband through postal channels stood at 972 kg. The NCB report cites the growth of clandestine synthetic drug laboratories as well, even as it dismantled 30 secret manufacturing labs - surpassing the combined total of the previous three years - and arrested 102 individuals.

Data reveals that these facilities, heavily concentrated across Maharashtra, Rajasthan, and Madhya Pradesh, were primarily churning out mass quantities of mephedrone, ephedrine, and illicit psychotropic tablets.

Homebuyers can seek relief for delay after possession: Supreme Court

New Delhi, Agency: Taking possession of a flat would not bar homebuyers from raising complaints against real estate companies for deficiency in services. Supreme Court has held that homebuyers can approach consumer forums against developers to seek compensation for delayed possession even after taking custody of the flat.

The SC set aside an order of National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) which had held that ahomebuyer ceases to be a consumer after taking possession of the flat and could not seek compensation for delay. SC also held that the arbitration clause in homebuyer-real estate company agreement would not block the former from approaching the consumer forum to raise grievances. Twenty-two years after a homebuyer got possession of his flat housing project in Dwarka in NCR, a bench of Justices Vikram Nath and V Mohana allowed his plea to seek compensation for delay in handing over the flat. It said the NCDRC's reasoning "cannot be sustained".

"The appellant's complaint was not for delivery of possession simpliciter. His grievance was that there had been delay in handing over possession of the flat and that he was entitled to compensation for such delay. A claim for compensation for delayed possession necessarily arises from the period prior to the actual delivery of possession. The subsequent receipt of possession cannot, by itself, extinguish the right of the allottee to seek adjudication of a claim for compensation for the alleged delay," the bench said. The bench revived the 2005 complaint filed by the homebuyer before the district consumer forum and asked it to decide within a year whether there was any delay.

It also asked the forum to decide whether such delay was attributable to the respondent, whether the appellant had accepted possession unconditionally, and whether any compensation is payable. "The claim of the appellant for compensation on account of alleged delay in handing over possession has neither been accepted nor rejected after evidence. Equally, the defence of the respondent society has also not been examined on merits. These issues could not have been concluded at the threshold by holding that the appellant ceased to be a consumer merely because possession had been delivered before the complaint was filed. In such circumstances, it would not be appropriate for this court to record any finding on the factual controversy between the parties," the bench said.

'No decision yet' MK Stalin on contesting bypoll amid Trichy East buzz

New Delhi, Agency: Former Tamil Nadu chief minister MK Stalin on Friday said no decision has been taken yet on whether he will contest a byelection to return to the assembly.

His remarks came amid speculation that he may contest the Trichy East constituency, vacated by his successor and incumbent chief minister, C Joseph Vijay.

Vijay, an actor-turned-politician, retained the Perambur constituency in Chennai and gave up the Trichy East seat, where he had also won, necessitating a by-election. DMK president Stalin, meanwhile, lost the Kolathur constituency in the April 23 assembly elections, which ended his party's one-term government and brought Vijay's two-year-old Tamilaga Vettri Kazhagam (TVK) to power. Besides Trichy East, bypolls are also due in Madurantakam, Perundurai, Dharapuram, Ambasamudram, and Viralimalai. The five seats fell vacant after rebel AIADMK MLAs resigned. All except Viralimalai MLA C Vijaybaskar have since joined the TVK, while Vijaybaskar is also expected to switch to the party soon.

Katchatheevu island transfer to Sri Lanka 'dark chapter' of Congress: BJP

New Delhi, Agency: With Congress in office in Kerala and part of govt in Tamil Nadu, BJP fired a twin salvo at the party and alleged that its decisions have harmed the interests of the two states. BJP said it was the 52nd anniversary of the decision of the then Congress govt at the Centre to cede Katchatheevu island to Sri Lanka that has harmed the interest of Tamil fishermen and also its Catholic population, who are not permitted to offer prayers at St Anthony shrine there even if they carry Indian flags. "It is another blackspot in Congress's calendar of surrenders," BJP spokesperson Sudhanshu Trivedi said, citing the earlier losses of PoK and Aksai Chin to Pakistan and China, respectively. BJP also targeted the new Congress-led UDF govt in Kerala over its decision to slash excise duty on low-alcohol liquor from 251% to 121%, alleging it will push the youth into alcohol consumption and reduce the state's revenue to the benefit of liquor businesses.

India makes satellite-based approaches using GAGAN for safer flights a reality

New Delhi, Agency: In a major safety-enhancement move, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Thursday got a "satellite-based landing system (SLS)" approach conducted for the first time on a jet engine aircraft in India. The regulator got the flight operated on an IndiGo Airbus A320 into Udaipur using ISRO and Airport Authority of India's satellite-based navigation system GAGAN (GPS aided geo augmented navigation). Jet engine planes have jumped on the bandwagon a few years after a turboprop ATR had done so.

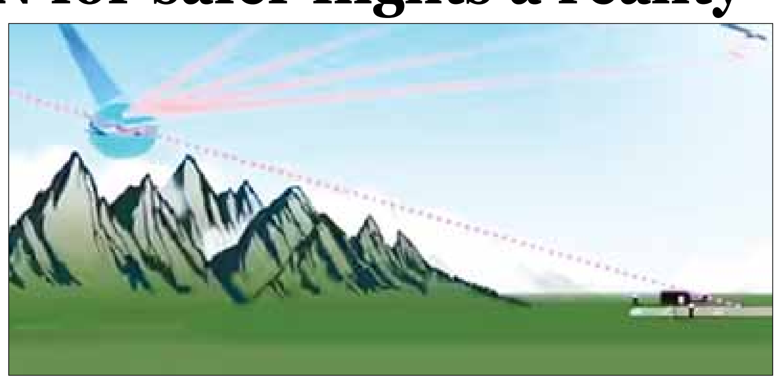

SLS is seen as a game-changer in terms of enhancing safety at secondary airports that do not have expensive instrument landing system (ILS) installed, as it allows the use of new satellite navigation technologies to perform approaches. SLS first entered service in Europe with the A350 in 2015.

Officials in the know say the IndiGo Airbus flight to Udaipur was "another significant milestone in advancing satellite-based navigation in India by successfully conducting a localiser performance with vertical guidance (LPV) approach." IndiGo had introduced LPV operations on its ATR fleet in 2022 and has now expanded "satellite-based augmentation system" (SBAS) enabled operations across its fleet.

Jointly developed by ISRO and Airports Authority of India (AAI), India's SBAS GAGAN provides the coverage needed for LPV procedures across Indian airspace and positions India as one of the few countries worldwide with its own SBAS capability.

SIR now makes its way into NCERT Class IX textbook

New Delhi, Agency: Election Commission's Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls launched last year ahead of Bihar assembly polls has entered the Class IX textbooks, 1975-77 Emergency has moved from senior school political science into compulsory secondary reading, while economics has been recast around scarcity, markets and role of govt.

NCERT's new Class IX social science textbook - Understanding Society: India and Beyond - Part 1 - marks a shift in how students will encounter democracy, institutions and the economy from the 2026-27 academic session.

SIR appears in a chapter on elections, in a section on the poll panel's functions. The textbook describes EC as an autonomous constitutional body responsible for free and fair elections and says SIR involves "updating, verifying and correcting the electoral rolls". It adds that the exercise ensures "no eligible citizen is left out and no ineligible person is included". The book also introduces Emergency in class IX for the first time, bringing it into compulsory secondary-level reading.

Hospitals told to make public their kidney transplant success rate'

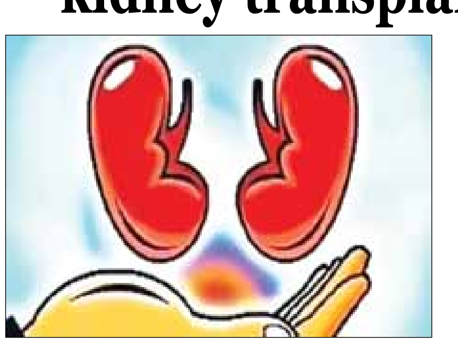

New Delhi, Agency: Kidney transplant hospitals will now have to publish patient survival rates, deaths, graft failures and other long-term results, ending a system that left patients to choose where to undergo surgery without knowing how centres performed.

The National Organ and Tissue Transplant Organisation (NOTTO) has directed transplant centres across the country to put the figures on their websites after BJP MP Captain Brijesh Chowta spotlighted the lack of transparency on transplant outcomes.

NOTTO director Dr Anil Kumar directed state and UT authorities to ensure every transplant hospital prominently displays post-transplant outcome data on its website and submits complete and timely follow-up data to the National Organ and Tissue Transplant Registry.

Hospitals have also been asked to give patients and their families or guardians full information about the procedures being undertaken - as well as its risks and likely outcomes - before taking consent. In his representation to the Union health minister, Captain Chowta had flagged gaps in tracking long-term outcomes of kidney transplant cases, citing a report submitted by two Mangaluru-based citizens.

The MP said public attention largely focuses on successful transplants, while long-term complications, graft failures and post-transplant deaths remain inadequately tracked. The letter also highlighted the absence of a national registry to monitor long-term outcomes, arguing that greater transparency would help patients make informed decisions.

Dr Anupam Roy, the additional director of nephrology and kidney transplant at Aakash Hospital in Dwarka, Delhi, said: "Making transplant outcomes public is a landmark step towards transparency and accountability.

Government plans simpler import rule to cut medicine wastage

New Delhi, Agency: To cut avoidable wastage of imported medicines, the Centre has proposed replacing a complex shelf-life rule with a simple requirement - drugs should have at least one year of shelf life left when they enter India. Health ministry has issued a draft notification proposing amendments to Rule 31 of the Drugs Rules, 1945, and invited public comments. Under the proposal, most imported medicines will need to have at least 12 months of shelf life remaining at the time of import instead of complying with the existing requirement of having more than 60% of their approved shelf life left. Under the current rule, the requirement depends on the total shelf life of each medicine, meaning different drugs have to meet different remaining shelf-life requirements before they can be imported. The proposed change is expected to benefit imports of a range of medicines, including certain specialised cancer medicines, treatments for rare diseases and other high-value medicines, by making the import norms simpler and reducing avoidable wastage.

2 states, 2 different rules for registration of doctors

New Delhi, Agency: Two states have come up with two different models when it comes to allowing doctors to practise in their jurisdiction. While Andhra Pradesh has facilitated interstate practice, Maharashtra has retained verification safeguards, reviving debate over a national registration framework for medical practitioners. On June 11, Andhra Pradesh govt allowed doctors registered with any State or Union Territory Medical Council to practise in the state without obtaining a separate registration or No Objection Certificate

(NOC). The move, part of state's deregulation reforms, removed a long-standing requirement that often delayed doctors moving across states. Days earlier, on June 5, Maharashtra Medical Council adopted a different approach. It removed the need for doctors to obtain an NOC themselves but retained registration and verification requirements. The council now directly seeks verification from the parent state council and grants provisional registration pending clearance. AP Medical Council member Dr Daggumati Sreehari Rao said the order does not eliminate oversight. Doctors from other states will still have to apply online, disclose their registration details and declare any disciplinary proceedings against them. The council will verify these details with the parent state council before permitting medical practice.

Rao said detailed procedures for the system are still being finalised. The debate has gained momentum since National Medical Commission examined a proposal to allow Armed Forces Medical Services doctors, who are frequently transferred, to practise nationwide on the basis of a single registration. Supporters of the stance say multiple state registrations create unnecessary barriers for doctors. RTI activist Dr Babu V said Andhra Pradesh's decision could provide a template for wider reform.